Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

मंत्र भारत

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 311
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-सोमवार,09 मार्च 2026

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 आधी आबादी के लिए सम्मान, सशक्तीकरण व

4 बालेन शाह से नेपाल को ढेर सारी उम्मीदें

5 मधुबाला बायोपिक में कियारा आडवाणी की

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर योगी का महिलाओं को पत्र

बेटियों को किसी से डरने की जरूरत नहीं-सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की महिलाओं के नाम एक पत्र लिखकर उन्हें शुभकामनाएं दीं और नारी शक्ति की भूमिका को सराहा। उन्होंने कहा कि सशक्त समाज के निर्माण में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा और आत्मनिर्भरता के लिए प्रतिबद्ध है।मुख्यमंत्री योगी ने अपने पत्र में कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में महिलाओं के साथ अपराध आम बात थी और शाम होते ही बेटियां घर से बाहर निकलने में डर महसूस करती थीं। स्कूल और कॉलेज जाने में भी उन्हें असुरक्षा का सामना करना पड़ता था। आज स्थिति बदल चुकी है और बेटियां नाइट शिफ्ट में काम कर रही हैं। यह बदलाव स्पष्ट नीति, साफ नीयत का परिणाम है। मिशन शक्ति और एंटी रोमियो जैसे अभियानों ने महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों में डर पैदा किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना बेटियों के जन्म से लेकर उनकी शिक्षा तक सरकार का सहयोग करती है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से गरीब परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मान के साथ संभव हो रहा है। पुष्टाहार योजना से गर्भवती धात्री महिलाओं को बेहतर पोषण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। निराश्रित महिलाओं की पेंशन राशि 1,000 रुपये से बढ़ाकर 1,500 रुपये प्रति माह कर दी गई है। छात्राओं के ड्रॉपआउट रेट में कमी आई है और मातृ व शिशु मृत्युदर में भी गिरावट है। उत्तर प्रदेश की नारी शक्ति आज आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिख रही है। स्टार्टअप से लेकर उद्यमी क्रेडिट कार्ड तक महिलाओं को नए अवसर मिल रहे हैं। प्रदेश के सभी विकास खंडों में स्वयं सहायता समूहों का विस्तार हुआ है और 40 हजार बीसी सखियां आत्मविश्वास के साथ हजारों करोड़ रुपये के वित्तीय लेनदेन कर रही हैं।लखपति दीदी, ड्रोन दीदी, स्वास्थ्य सखी और सूर्य सखी जैसी पहलें महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही हैं और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि नारी का सम्मान पूरे समाज के लिए सर्वोपरि होना चाहिए। उन्होंने प्रदेश की बेटियों से कहा कि उन्हें किसी से डरने की जरूरत नहीं है और छोटे सपने देखने की भी आवश्यकता नहीं है।

गैरसैंण पहुंची सरकार

पक्ष-विपक्ष के 600 से ज्यादा सवालों से गरमाएगा सदन

गैरसैंण(चमोली) (एजेंसी)। नौ मार्च से शुरू हो रहे बजट सत्र के लिए विधानसभा सचिवालय ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। बजट सत्र के लिए प्रदेश सरकार आज ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण पहुंच गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण समेत सभी मंत्री, विधायक, अधिकारी दोपहर बाद भराड़ीसैंण पहुंचे। विधानसभा भवन में सत्र के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस बार पक्ष-विपक्ष विधायकों के 600 प्रश्न सदन में गरमाएंगे। इसके अलावा सरकार की ओर से कई विधेयक, अध्यादेश, विभागों की वार्षिक प्रतिवेदन रिपोर्ट सदन पटल पर रखा जाएगा। विधानसभा परिसर व आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए। भराड़ीसैंण विधानसभा भवन में राज्यपाल के अभिभाषण से बजट सत्र की शुरूआत होगी। आज भराड़ीसैंण में ही कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में सदन संचालन के लिए एजेंडा तय किया जाएगा। प्रदेश सरकार 10 मार्च को बजट पेश कर सकती है।

2047 तक सत्ता में नहीं आने वाली सपा-कांग्रेस: केशव मौर्य

कौशांबी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में 2017 का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 325 से अधिक सीटें जीतकर प्रदेश में फिर सरकार बनाएगी। रविवार को सरस महोत्सव के तहत बाबूसिंह डिग्री कॉलेज, सयारा-कौशांबी के मैदान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को 2047 तक सत्ता मिलने वाली नहीं है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में अब तुष्टिकरण और जातिवाद के आधार पर राजनीति सफल नहीं होगी। केशव मौर्य ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर काम कर रही है और बिना किसी भेदभाव के गरीब परिवारों को आवास समेत विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से एक करोड़ महिलाएं जुड़ी हैं और भविष्य में तीन करोड़ महिलाओं को इससे जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से लाखों परिवारों की आय बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा सरकार किसानों के हित में कार्य कर रही है और नलकूपों के बिजली बिल माफ किए गए हैं।

आरोपी निजामुद्दीन के साम्राज्य पर चला एमसीडी का बुलडोजर

सीएम रेखा गुप्ता की चेतावनी के बाद एक्शन मोड में प्रशासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में हुए सनसनीखेज हत्याकांड के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने मुख्य आरोपी निजामुद्दीन से जुड़ी संपत्तियों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक यह कार्रवाई अवैध निर्माण और आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत की गई है। इस मामले में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कड़े संकेत दिए थे। शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए उन्होंने पीड़ित परिवार को न्याय का भरोसा दिलाया था और चेतावनी दी थी कि आरोपियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होगी जो एक मिसाल बनेगी। मुख्यमंत्री के इस कड़े रुख के बाद रविवार को ही निगम की टीमें भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गईं। एमसीडी के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि उत्तम नगर स्थित जिस संपत्ति पर बुलडोजर चला है उसका सीधा संबंध आरोपी निजामुद्दीन से है। नगर निगम का कहना है कि आरोपी की संपत्ति के कुछ हिस्से का निर्माण नियमों के उल्लंघन और बिना किसी नक्शा पास कराए किया गया था।कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया था। उत्तम नगर में हाल ही में एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी, जिसमें निजामुद्दीन और उसके साथियों के नाम सामने आए थे। इस घटना के बाद इलाके में काफी तनाव फैल गया था और स्थानीय लोग आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे थे। पुलिस ने मुख्य आरोपियों को पहले ही हिरासत में ले लिया है।

आपदा सरकार ने रोकी थी दिल्ली की विकास यात्रा:पीएम

महिला दिवस पर दिल्ली को 33,500 करोड़ की सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आपदा सरकार की वजह से दिल्ली का विकास रूक गया था लेकिन पिछले एक साल दिल्ली में चहुंओर विकास हो रहा है और इसका लाभ लोगों को मिल रहा है। पीएम मोदी ने रविवार को यहां बुराड़ी में आयोजित एक कार्यक्रम में दिल्ली में 33,500 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद कहा कि अब पता चल रहा है कि एक वर्ष पहले दिल्ली जिस आपदा से मुक्ति पाई वह कितनी जरूरी थी। अगर आपदा सरकार न होती तो मेट्रो का चौथा चरण पहले हो जाता। भाजपा की सरकार बनने के बाद दिल्ली में चारों तरफ विकास में तेजी आई है। दिल्ली में हर दिन लाखों लोग बसों में सफर करते हैं इसलिए लोगों को साफ आरामदायक बस सेवा मिली है। चार हजार से अधिक बसें दिल्ली की सेवा कर रही है जिसमें ईवी बसें भी शामिल है। करीब दस वर्षों तक आपदा सरकार ने विकास का काम ठप्प कर रखा था लेकिन अब विकास का तेजी से किया जा रहा है। भाजपा सरकार यमुना की सफाई के लिए भी बडे स्तर पर काम कर रही है। दिल्ली में पहले जो आपदा सरकार थी उसे लोगों की परेशानी से कोई फर्क नहीं पड़ता था। आपदा सरकार ने कभी गरीबों की परवाह नहीं की लेकिन रेखा गुप्ता के नेतृत्व में निरंतर स्थितियों को ठीक किया जा रहा है। पिछले एक वर्ष में बड़ी संख्या में आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाया गया जिससे लोगों को लाभ मिल रहा है। दिल्ली में विकास का माडल है। काम शुरू, बहाने बंद है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेट्रो के विस्तार से लेकर में हजारों कर्मचारियों के लिए लगातार सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। दिल्ली में जिस उम्मीद के साथ भाजपा की सरकार बनी थी उसका परिणाम विकास कार्यों में दिख रहा है। आज का कार्यक्रम एक और वजह से भी विशेष है वह है अंतराष्ट्रीय महिला दिवस। राजनीति प्रशासन विज्ञान खेल या समाज सेवा क्षेत्र में भारत की नारी एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ रही है। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया का कोई भी व्यक्ति भारत के विशाल लोकतंत्र के बारे में सोचता है तो दिल्ली की तस्वीर आती है। दिल्ली का विकास केवल एक शहर का विकास नहीं होता बल्कि पूरे देश की छवि से जुड़ा होता है। दिल्ली जितनी आधुनिक होगी भारत का आत्मविश्वास दुनिया के सामने उतनी ही मजबूती से दिखायी देगा। आज दिल्ली सुविधाओं के मामले में आगे बढ रही है। एक समय था जब दिल्ली की खराब व्यवस्था की ही चर्चा होती थी।

महराजगंज में पत्नी से परेशान पति ने दो बच्चों संग फंदा लगाकर दी जान, इलाके में सनसनी

महराजगंज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में महाराजगंज जिले के नौतनवा थाना क्षेत्र के गांधी नगर मोहल्ले में रविवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। पत्नी से नाराज एक पति ने अपने दो मासूम बच्चों के साथ फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में घटना का कारण पारिवारिक कलह बताया जा रहा है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार 66वीं वाहिनी एसएसबी में तैनात वंदना (35) निवासी सैथपुर, जिला गाजीपुर, दोमुहाना घाट बीओपी पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर कार्यरत हैं। वह अपने पति अमरेश कुमार (40), चार वर्षीय बेटे अमरेंद्र कुमार और तीन वर्षीय बेटी कंचन के साथ नौतनवा कस्बे के गांधी नगर मोहल्ले में रहती थीं। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच पिछले कुछ समय से संबंध ठीक नहीं थे और अक्सर दोनों के बीच कहासुनी होती रहती थी। दो दिन पहले भी दोनों के बीच विवाद होने की चर्चा है।

मतदाता सूचियों से वैध मतदाताओं को हटाने के लिए निर्वाचन आयोग का दुरुपयोग कर रही भाजपा: ममता

कोलकाता (एजेंसी)। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद प्रकाशित मतदाता सूची में कथित तौर पर मनमाने तरीके से नाम हटाए जाने के खिलाफ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना रविवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने भाजपा पर मतदाता सूचियों से वैध मतदाताओं के नाम हटाने के लिए निर्वाचन आयोग का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह टिप्पणी रविवार को की, जब निर्वाचन आयोग का एक दल राज्य विधानसभा चुनावों से पहले चुनावी तैयारियों की समीक्षा करने के लिए कोलकाता आने वाला है। बनर्जी ने यह आरोप भी लगाया कि देश अपनी लोकतांत्रिक नींव पर एक अभूतपूर्व और सीधा हमला होता देख रहा है। उन्होंने कहा कि अपने एक राष्ट्र, एक नेता, एक पार्टी के उन्माद में, भाजपा सुनियोजित तरीके से हर लोकतांत्रिक संस्था और संवैधानिक पद का दुरूपयोग कर रही है ताकि वह अपनी जन-विरोधी महत्वाकांक्षाओं को पूरा कर सके। तृणमूल प्रमुख ने कहा, वर्षों से, उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों, राष्ट्रीय आयोगों, गोदी मीडिया और न्यायपालिका के एक वर्ग को बंगाल के खिलाफ उतार दिया है। वे बर्बाद हो चुके आयोग का दुरुपयोग कर रहे हैं ताकि वे वैध मतदाताओं को मतदाता सूची से हटा सकें। बनर्जी ने भाजपा नेतृत्व को दिल्ली का जमींदार बताया और दावा किया कि वे बंगाल को अपने अधीन करने के अपने मिशन में कभी सफल नहीं होंगे। उन्होंने कहा, धर्मतला में हमारा धरना उन सभी बांग्ला-विरोधी (बंगाल-विरोधी) एजेंडों का जवाब है ।

शिक्षित, सशक्त महिलाएं प्रगतिशील राष्ट्र की स्तंभ हैं : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षित एवं सशक्त महिलाएं एक प्रगतिशील राष्ट्र की स्तंभ हैं। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि नारी शक्ति विविध क्षेत्रों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है और साहस के साथ नेतृत्व कर रही है जिससे अधिक समावेशी और समृद्ध समाज की नींव मजबूत होती है। उन्होंने कहा, आइए, इस अवसर पर हम ऐसे समाज के निर्माण के लिए अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करें, जहां हर महिला को आगे बढ़ने और गरिमा, सुरक्षा एवं स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने के समान अवसर मिलें। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षित और सशक्त महिलाएं एक प्रगतिशील राष्ट्र की स्तंभ हैं। उन्होंने कहा, आइए, हम मिलकर ऐसा माहौल बनाएं, जहां महिलाओं की आकांक्षाएं और उपलब्धियां बेहतर भविष्य को आकार दें।

प्रशांत महासागर में 6.0 तीव्रता का भूकंप, रिंग ऑफ फायर में फिर जोर से हिली धरती

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार को दक्षिण प्रशांत महासागर में रिक्टर पैमाने पर 6.0 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इसकी जानकारी भारत के नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) ने दी। एनसीएस के अनुसार भूकंप 8 मार्च 2026 को भारतीय समयानुसार दोपहर 2.58 बजे आया।फिलहाल इस भूकंप से किसी बड़े नुकसान या सुनामी की चेतावनी की खबर नहीं है। भूकंप जिस क्षेत्र में आया, वह प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है। यह दुनिया का सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र माना जाता है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार दुनिया के लगभग 90ः भूकंप इसी क्षेत्र में आते हैं। 81ः सबसे बड़े भूकंप भी इसी बेल्ट में दर्ज होते हैं। रिंग ऑफ फायर में कई टेक्टोनिक प्लेटें एक-दूसरे से टकराती या एक प्लेट दूसरी के नीचे धंसती हैं।

महिलाओं के बराबरी से ही होगी असली प्रगतिः खरगे

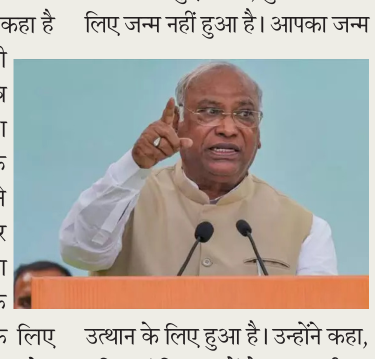

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि कोई भी समाज तब ही सही अर्थों में प्रगति करता है जब महिलाओं को बराबरी का सच्चा, सही और वास्तविक हक मिलता है। श्री खरगे ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लैंगिक समानता और महिलाओं के लिए बराबरी के हक को लेकर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के एक विचार का उद्धरण देते हुए लिखा, दुख भोगने के लिए जन्म नहीं हुआ है। आपका जन्म उत्थान के लिए हुआ है। उन्होंने कहा, महिलाएं विकास में केवल भागीदार नहीं हैं, बल्कि इसकी प्रेरक शक्ति हैं। अपनी बुद्धिमत्ता, लचीलेपन, करुणा और दृढ़ संकल्प के बल पर महिलाएं समुदायों को सशक्त बनाती हैं और मजबूत राष्ट्रों का निर्माण करती हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, हम विश्व भर की महिलाओं के साहस, नेतृत्व और अनगिनत योगदानों का जश्न मनाते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी समझ में सच्ची प्रगति तभी आएगी जब समानता केवल एक आकांक्षा न होकर प्रत्येक महिला के लिए एक जीती-जागती वास्तविकता बन जाएगी।

जेडीयू में शामिल हुए निशांत कुमार, बिहार की सक्रिय राजनीति में किया पदार्पण

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार ने रविवार को जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की सदस्यता ग्रहण की और इसके साथ हीं उनका औपचारिक तौर पर बिहार की सक्रिय राजनीति में पदार्पण हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले के बाद जदयू नेताओं और कार्यकर्ताओं की तरफ से निशांत को सक्रिय राजनीति में लाने की मांग तेज हो गई थी। पिछले तीन दिनों तक पार्टी के अंदर हुई मशक्कत और विधायकों की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिली सहमति के बाद आज निशांत कुमार ने जदयू की सदस्यता ग्रहण कर ली है। निशांत को जदयू के प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह में पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर पार्टी के शीर्ष नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यकर्ताओं ने उत्साह और उम्मीद के साथ इस समारोह को एक ऐतिहासिक क्षण बना दिया और आशा व्यक्त की कि संसद के उच्च सदन में नीतीश कुमार के जाने के बाद निशांत पार्टी की नई ताकत और ऊर्जा बनेंगे। जदयू की सदस्यता ग्रहण करने के बाद निशांत ने पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे पार्टी को मजबूत बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिश करेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले से कार्यकताओं के बीच पैदा हुई निराशा और पीड़ा को कम करने की कोशिश करते हुए उन्होंने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। निशांत ने कहा कि वह अपने पिता के राज्यसभा जाने के फैसले को स्वीकार करते है। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने पिछले 20 वर्षों में मुख्यमंत्री के रूप में बिहार के विकास के लिए बहुत काम किया है ।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शक्ति वॉक करती हुई महिलाकर्मी

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे पर 08 मार्च,2026 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण के अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी क्रम में सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम,गोरखपुर में ह्यह्यशक्ति वॉक्ह्यह्य का आयोजन किया गया। ह्यशक्ति वॉक को महिला रेलकर्मी सुश्री मीरा सिकन्दर ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस शक्ति वॉक में महिला खिलाड़ियों एवं महिला रेलकर्मियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के महासचिव एवं मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री पंकज कुमार सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त गोरखपुर रेलवे स्टेशन से गाड़ी संख्या 65115 भटनी-अयोध्या धाम वाया गोरखपुर मेमू गाड़ी का संचलन पूर्णरूप से महिला रेलकर्मियों द्वारा किया गया। इस गाड़ी में लोको पायलट सुश्री प्रियंका शर्मा, सहायक लोको पायलट सुश्री निधि गौतम, टेज्न मैनेजर सुश्री जागृति त्रिपाठी, मुख्य टिकट निरीक्षक सुश्री मुक्ता प्रभा बरला, टिकट निरीक्षक सुश्री नीना सिएल तथा रेलवे सुरक्षा बल कर्मी सुश्री नेहा यादव कार्यरत रहीं। गोरखपुर जं0 स्थित इलेक्ट्रानिक पैनल पर कार्यरत कर्मचारी- स्टेशन मास्टर सुश्री अंकिता कुमारी, स्टेशन मास्टर सुश्री रूबी कुमारी, स्टेशन मास्टर सुश्री खुशनसीबा खातून, स्टेशन मास्टर श्रीमती शालू कुमारी, स्टेशन मास्टर/एरिया कन्ट्रोलर(गुड्स) श्रीमती प्रियंका कुमारी तथा कांटावाला श्रीमती अर्चना यादव ने टेज्न परिचालन का कार्य सफलतापूर्वक सम्पादित किया। महिला रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों द्वारा टेज्नों एवं स्टेशनों की सुरक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गोरखपुर स्टेशन के बुकिंग एवं आरक्षण केन्द्र के सभी काउण्टरों पर महिला रेलकर्मियों द्वारा सभी कार्य सफलतापूर्वक किया गया। कोचिंग डिपो,गोरखपुर में टेज्नों के अनुरक्षण का कार्य महिला कर्मियों द्वारा सम्पन्न किया गया तथा गोरखपुर स्टेशन का लाण्ड्री यूनिट में सभी कार्य महिलाओं द्वारा किये गये। इसके अतिरिक्त गोरखपुर जं0 पर सफाई का कार्य महिलाओं द्वारा निष्ठापूर्वक किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में अंकुर उद्योग लिमिटेड,गोरखपुर ने गोरखपुर स्टेशन को 04 सेनिटरी पैड वेंडिंग मशीने प्रदान किये, जिनमें रू0 5/- के सिक्के से महिलाओं को सेनिटरी पैड उपलब्ध कराये जायेंगे। इनमें 03 मशीनें गोरखपुर तथा 01 मशीन खलीलाबाद स्टेशन पर स्थापित की गई। इन कार्यक्रमों के माध्यम से गोरखपुर स्टेशन पर महिला कर्मचारियों की दक्षता, समर्पण और सशक्त भागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में स्वच्छता का चलाअभियान

दुगार्गंज प्रतापगढ़। राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में द्वितीय दिवस पर 04135आचार्यरमाकांत महिला शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय शिवसत प्रतापगढ़ के स्वयं सेविकाओं को स्वच्छता के विषय में जागरूक किया गया, इस कार्यक्रम में एस बी एम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के निदेशक डॉ संदीप मिश्र जी द्वारा स्वयंसेविकाओं को स्वच्छता विषय में जानकारी दी गई, इस कार्यक्रम

में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शेषमणि मिश्र, उपप्राचार्य डॉ सुशील कुमार द्विवेदी,कार्यक्रमाधिकारी डॉ पूनम त्रिपाठी, श्रीमती माधुरी तिवारी, श्रीमती सीबा बानो, श्री विकास मिश्र, श्री अखिलेश शुक्ल जी उपस्थित रहे

प्रतिभा खोज परीक्षा में आकांक्षा अव्वल

कुंडा प्रतापगढ़ ।दिव्य भारत अकादमी बहरिया रहवई की ओर से आयोजित प्रतियोगी प्रतिभा खोज परीक्षा के परिणाम में आकांक्षा पहले, अमन दूसरे तथा साधना तीसरे स्थान पर रही। सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया

गया। समारोह की शुरूआत मुख्य अतिथि चेयरमैन प्रतिनिधि शिव कुमार तिवारी ने दीप प्रज्वलित करके की। विजेता प्रतिभागियों को मेडल, प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने विचार रखे। अकादमी के डायरेक्टर आशीष पांडेय ने अतिथियों को सम्मानित किया। इस मौके पर शिक्षक मनीष पांडेय, ब्राम्हण समाज के जिला संरक्षक सुरेश पांडेय, सभासद शशि द्विवेदी, अधिवक्ता श्रीकृष्ण शुक्ल, अजय शुक्ल, अवध नारायण शुक्ल, विपिन तिवारी, गोलू नेता, टीएन शुक्ल, आलोक पांडेय, वीरेन्द्र तिवारी, रणजीत, विनोद आदि मौजूद रहे।

मारपीट में 11 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कुंडा प्रतापगढ़ ।बाघराय थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव में बालक-बालिकाएं शनिवार को वॉलीबाल खेल रहे थे। खेल के दौरान किसी बात को लेकर विवाद और मारपीट हो गई। मारपीट में अभिषेक और प्रतिभा घायल हुईं। मारपीट की खबर मिलने पर दरोगा अवधेश कुमार मौके पर पहुंचे और मामले को शांत कराया। दरोगा अवेधश कुमार की तहरीर पर पुलिस ने एक पक्ष से अनिल पांडेय, ललित कुमार, अल्प नारायण, शिव शंकर, जितेन्द्र, सत्यम पांडेय, दूसरे पक्ष से अतुल, हरविलास, अंकित, शिखर, राहुल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की।

थाना सांगीपुर पुलिस द्वारा कुल 02 वारण्टी अभियुक्त/ अभियुक्ता को गिरफ्तार किया गया

पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर द्वारा अपराधिक क्रिया कलापों में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में,थानाध्यक्ष सांगीपुर गौरव त्रिवेदी के नेतृत्व में उ0नि0 आकाश शुक्ला मय हमराह उ0नि0 हरिन्द्र यादव व का0 दिनेश कुमार द्वारा जांच प्रार्थना पत्र, देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित वारण्टी अभियुक्त के दौरान, माननीय न्यायालय द्वारा सेशन ट्रायल नं0 - 335/2019 क्राइम नं0 318/2018 धारा 323,504,506,427 भादवि व 3 (1) २/२३ अ३ थाना सांगीपुर जनपद प्रतापगढ़ से संबंधित 01 वारंटी अभियुक्त विकास वर्मा पुत्र अयोध्या प्रसाद निवासी ग्राम पतनपुर कोठा नेवढिया थाना सांगीपुर जनपद प्रतापगढ़ को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया गया थाना सांगीपुर के उ0नि0 हरिन्द कुमार यादव हमराह का0 दिनेश कुमार व म0का0 गुन्चा सनोबर द्वारा जांच प्रार्थना पत्र, देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित वारण्टी अभियुक्त के दौरान, मु0नं0 27869/21 धारा 323/452/504/506/392 भादवि थाना सांगीपुर जनपद प्रतापगढ़ से संबंधित 01 वारंटी अभियुक्त नीरज देवी पत्नी रामकिशोर निवासी ग्राम भुरकुसवापुर पश्चिम देउम थाना सांगीपुर जनपद प्रतापगढ़ को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्लॉक सभागार में महिलाओं को किया गया सम्मानित

कुंडा/प्रतापगढ़। बाबागंज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बाबागंज ब्लॉक सभागार में पंचायत राज विभाग की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक क्षेत्र में कार्यरत महिला पंचायत सहायकों और स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य और समाज में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान ग्राम पंचायत केवला प्रसाद ने कार्यरत पंचायत सहायक प्रतिमा कोरी, शिवांशी द्विवेदी और सोनाक्षी सिंह,रश्मि सहित कई महिलाओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों ने कहा कि महिलाओं का सम्मान भारतीय संस्कृति की पहचान रहा है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़कर समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। एडीओ पंचायत ने कहा कि ग्रामीण विकास और पंचायत व्यवस्था को मजबूत बनाने में महिला पंचायत सहायकों का योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें सम्मान देने से समाज में

सकारात्मक संदेश जाता है। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत अधिकारी अरुण कुमार, पंचायत राज विभाग के विपिन कुमार, संदीप कुमार सरोज सहित अन्य कर्मचारी और लोग मौजूद रहे। सभी ने महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यकर्ता के पिता के निधन पर शोक संवेदना जताने पहुंचे राजा भइया

कुंडा प्रतापगढ़ ।जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंडा विधायक पूर्व कैबिनेट मंत्री कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भइया ने अपने सक्रिय कार्यकर्ता, फूलमती गांव निवासी सुमित तिवारी के पिता के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। राजा भइया ने व्यक्तिगत रूप से उनके घर पहुंचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया ।राजा भइया ने परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उनकी स्थिति को समझा और दुख को साझा किया। उन्होंने कहा कि यह परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है, जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में वे अकेले नहीं हैं। राजा भइया ने कहा कि जनसत्ता दल लोकतांत्रिक हमेशा अपने कार्यकताओं और उनके परिवारों के साथ खड़ा रहता है और हर संभव मदद के लिए तत्पर है ।कार्यकर्ता सुमित तिवारी के पिता के निधन पर राजा भइया ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि एक पिता का जाना परिवार के लिए सबसे बड़ा दुख होता है। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि किसी भी परिस्थिति में वे और उनकी पार्टी उनके साथ खड़े रहेंगे। राजा भइया ने यह भी कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं और उनकी हर खुशी और दुख में शामिल होना पार्टी का कर्तव्य है ।राजा भइया ने अपने कार्यकताओं और जनता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि राजनीति केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता के सुख-दुख में शामिल होकर उनके जीवन को बेहतर बनाना ही असली जनसेवा है। इस दौरान राजा भइया के बड़े बेटे कुंवर शिवराज प्रताप सिंह समेत जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद है

आरपीएसएफ की 6वीं बटालियन, दया बस्ती द्वारा बटालियन सप्ताह का सफल आयोजन

नई दिल्ली: रेलवे सुरक्षा विशेष बल (आरपीएसएफ) की 6वीं बटालियन, दया बस्ती द्वारा दिनांक 02.03.2026 से 07.03.2026 तक बटालियन सप्ताह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें व्यावसायिक, सामाजिक एवं कल्याणकारी गतिविधियों की व्यापक श्रृंखला आयोजित की गई। श्री अनुभव जैन, वरिष्ठ कमांडेंट के नेतृत्व में समारोहों की शुरूआत 02 मार्च को शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई, जिसके पश्चात औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर तथा आरपीएफ ध्वज फहराने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। दूसरे दिन बटालियन द्वारा राष्ट्रीय एकता और सद्भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ह्लरन फॉर यूनिटीह्व का आयोजन किया गया। इसके पश्चात भारत सरकार के फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत विशेष फिटनेस सत्र एवं योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोजित सामुदायिक जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत दया बस्ती क्षेत्र में रेलवे लाइन के पास रहने वाले बच्चों को पुस्तकें वितरित की गईं, जिससे जागरूकता बढ़ाने और सामुदायिक पुलिसिंग को सुदृढ़ करने का प्रयास किया गया। तीसरा दिन समग्र स्वास्थ्य और सामाजिक उत्तरदायित्व को समर्पित रहा। इस दिन की शुरूआत हार्टफुलनेस द्वारा ध्यान सत्र से हुई, जिसके बाद रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके साथ ही ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा तनाव प्रबंधन सत्र तथा आरपीएफ/आरपीएसएफ कर्मियों के बच्चों के लिए कैरियर काउंसलिंग संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसका उद्देश्य परिवार की मानसिक सुदृढ़ता और भविष्य के विकास को प्रोत्साहित करना था। चौथे दिन व्यावसायिक विकास और परिचालन तत्परता पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसके अंतर्गत साइबर सुरक्षा और नारकोटिक्स नियंत्रण विषयों पर संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। सुरक्षा सम्मेलन के दौरान वरिष्ठ कमांडेंट श्री अनुभव जैन द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इसके पश्चात कंपनी कमांडरों का सम्मेलन आयोजित किया गया तथा

सेवानिवृत्त अधिकारियों को सम्मानित करने के लिए एक विशेष समारोह भी आयोजित किया गया। समारोहों का समापन 07.03.2026 को प्राकृतिक चिकित्सा (नेचुरोपैथी) चिकित्सा शिविर तथा वित्तीय प्रबंधन सत्र के आयोजन के साथ हुआ। अंत में पारंपरिक बड़ा खाना और आकर्षक बैंड प्रदर्शन के साथ बटालियन सप्ताह समारोह का भव्य समापन किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पुलिस फैमिली के मेधावी बच्चे हुए सम्मानित

अमेठी। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर रविवार को पुलिस सभागार में वामा सारथी पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में क्षेत्राधिकारी पुलिस लाइन्स श्वेताभ भास्कर द्वारा पुलिस परिवार के मेधावी बच्चों को सम्मानित किया गया । इस कार्यक्रम में पढ़ाई व विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चे मौजूद रहे । सीओ ने पहले बच्चों से परिचय प्राप्त किया गया तथा

बच्चों की शैक्षिक उपलब्धियों व खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में सीओ ने बच्चों को संबोधित करते हुये बताया गया कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच बहुत आवश्यक है । बच्चों को समय का सदुपयोग, नियमित पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य को स्पष्ट रखने की सलाह दी गयी । साथ ही बताया कि केवल पढ़ाई ही नहीं बल्कि खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और नैतिक मूल्यों का भी जीवन में विशेष महत्व होता है । कार्यक्रम के अन्त में बच्चों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी गयी और यह विश्वास व्यक्त किया गया कि वे आगे चलकर समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे ।

पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा ने अनिल कुमार पांडे के निधन पर उनके घर पहुंच कर दी शोक संवेदना

प्रतापगढ़। वरिष्ठ अधिवक्ता पूर्व विधायक विद्या शंकर पांडे के बड़े सुपुत्र वकील परिषद प्रतापगढ़ के पूर्व अध्यक्ष आनंद कुमार पांडे के बड़े भाई

लोकतंत्र सेनानी एडवोकेट अनिल कुमार पांडे के निधन पर उनके प्रतापगढ़ बेल्हा देवी मंदिर स्थित आवास पर पहुंचकर के उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री वरिष्ठ भाजपा नेता शिवाकांत ओझा ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा ने कहा कि अनिल कुमार पांडे के व्यक्तित्व एवं उनके कृतित्व को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस मौके पर एमडीपीजी कॉलेज के मंत्री एडवोकेट आनंद कुमार पांडे एवं समाजसेवी संघर्षशील नेता अरुण कुमार पांडे समेत कई लोग मौजूद रहे।

घरेलू गैस मूल्य वृद्धि वापस ले सरकार- महेन्द्र श्रीवास्तव

बस्ती। कांग्रेस आरटीआई विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस से एक दिन पूर्व घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमत में 60 रुपये और व्यावसायिक सिलेंडरों की कीमत में 115 रुपये की वृद्धि करने के सरकार के निर्णय की कड़े शव्दों में निन्दा करते हुये कहा कि देश की जनता, घरेलू महिलायें पहले से ही मंहगाई से त्रस्त थी, सरकार ने उन पर और बोझ लाद दिया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पहले तो सरकार ने कहा कि अमेरिका, इजराइल, ईरान युद्ध का भारत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, ईधन का पर्याप्त भण्डार मौजूद है, बाद में जनता की मजबूरी समझे बिना घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमत में 60 रुपये करके मुश्किलें बढा दी। उन्होने आशंका व्यक्त किया कि सरकार डीजल,पेट्रोल की कीमतों में भी कभी भी वृद्धि कर सकती है। यह

चिन्ताजनक है। कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि मोदी सरकार ने महंगाई घटाने का वायदा किया था किन्तु भाजपा की सरकार में गरीबों का जीना मुश्किल हो गया है। वक्त आने पर जनता इसका हिसाब लेगी। कहा कि केंद्र सरकार सब्सिडी या टैक्स में कटौती कर जनता को राहत दे। देश में बढती बेरोजगारी के बीच मंहगाई से जीना मुश्किल हो जायेगा।

थाना नवाबगंज पुलिस द्वारा कुल 02 वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया-

पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ श्री दीपक भूकर द्वारा अपराधिक क्रिया कलापों में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, थाना नवाबगंज के व0उ0नि0 राजनरायण सिंह मय हमराह उ0नि0 अकील अहमद द्वारा जांच प्रार्थना पत्र, देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित वारण्टी अभियुक्त के दौरान, मु0नं0 472/2025

अ0सं0 39/25 धारा 60 आबकारी अधिनियम से संबंधित 01 वारंटी अभियुक्त शिव भोला जायसवाल पुत्र छोटेलाल निपाइकगंज परियावां थाना नवाबगंज जनपद प्रतापगढ व मु0नं 649/2024 अ0नं59/24 धारा - 323/504/506 भादवि से संबंधित 01 वारंटी इन्तियाज हसन पुत्र मुनीर हसन नि०परियावां थाना नवाबगंज जनपद प्रतापगढ को उनके घर के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 01. शिव भोला जायसवाल पुत्र छोटेलाल निपाइकगंज परियावां थाना नवाबगंज जनपद प्रतापगढ ।02. इन्तियाज हसन पुत्र मुनीर हसन नि०परियावां थाना नवाबगंज जनपद प्रतापगढ। पुलिस टीम का विवरण- व0उ0नि0 राजनरायण सिंह मय हमराह उ0नि0 अकील अहमद थाना नवाबगंज जनपद प्रतापगढ़ ।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच कांटे की टक्कर, दोनों टीमों के 11-11 खिलाड़ियों की तुलना ग्राफिक्स में

अहमदाबाद : भारत ने मुंबई में सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि न्यूजीलैंड ने कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। टी20 वर्ल्ड कप में भारत-न्यूजीलैंड की यह चौथी भिड़ंत होगी। इससे पहले तीनों मैच न्यूजीलैंड जीता है, ऐसे में भारत के पास इस बार इतिहास बदलने का मौका है। टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाना है। दोनों टीमों के पास खिताब जीतकर इतिहास रचने का मौका है। न्यूजीलैंड जहां अपने पहले खिताब की तलाश में है, वहीं भारत कुल तीसरे और लगातार दूसरा खिताब जीतने की कोशिश में है। टी20 विश्वकप में चौथी भिड़ंत भारत ने मुंबई में खेले गए सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई है, तो न्यूजीलैंड ने कोलकाता में खेले गए सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह चौथी भिड़ंत होगी। दिलचस्प बात यह है कि इससे पहले खेले गए तीनों मुकाबलों में न्यूजीलैंड विजयी रही है। ऐसे में भारत के पास इस बार पुराने रिकॉर्ड को बदलने और बदला चुकता करने का मौका होगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, लखनऊ दर्शन बस से महिलाओं ने की खुशियों की सैर

लखनऊ (संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने महिलाओं के लिए विशेष सैर का आयोजन किया गया। इस विशेष यात्रा में 60 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा

महिलाओं के सम्मान में एक खास पहल की। राज्य पर्यटन विकास निगम यूपीएसटीडीसी द्वारा संचालित लखनऊ दर्शन डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस में लिया। डॉक्टर, उद्यमी, प्राचार्य, सामाजिक कार्यकर्ता, इंजीनियर से लेकर गृहणियों तक, समाज के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़ी महिलाएं इस खास सफर का हिस्सा बनीं। नारी शक्ति ने रोजमर्रा की व्यस्त जिंदगी से इतर लखनऊ को एक नए अंदाज में देखा। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यूपीएसटीडीसी की लखनऊ दर्शन बस सेवा अब सिर्फ पर्यटन तक सीमित नहीं रह गई है। यह धीरे-धीरे ऐसा मंच बनती जा रही है जहां पर्यटन के साथ समाज जुड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर यह पहल आधी आबादी को शक्ति, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण का संदेश देती है। इस विशेष टूर के माध्यम से महिलाओं को उनके व्यस्त दिनचर्या से कुछ पल सुकून के देने का प्रयास किया गया, जो प्रतिदिन समाज सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर लखनऊ में महिलाओं के लिए लखनऊ दर्शन यात्रा यादगार बन गई। रविवार सुबह 8.30 बजे बस रवाना हुई, जो दोपहर 12 बजे भ्रमण के पश्चात गंतव्य पर लौट आई। इस दौरान अलग-अलग आयु वर्ग की महिलाओं ने डबल डेकर बस की ऊपरी मंजिल से शहर के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों को करीब से देखा। विधानसभा जाना और मुख्य सदन को देखना उनके लिए अविस्मरणीय रहा। रेजीडेंसी सहित अन्य स्थलों की सैर ने इतिहास से रूबरू कराया। यात्रा के दौरान गाइड ने यात्रियों को 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की महान योद्धा ऊदा देवी की वीरता की कहानी सुनाई। उन्होंने किस तरह अंतिम सांस तक अंग्रेजी सैनिकों से लोहा लिया।

वर्ल्ड कप फाइनल के दिन एलएसजी के लिए दौड़े फैंस,बोले-बेस्ट ऑफ लक इंडिया

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में टी-20 विश्व कप फाइनल के दिन क्रिकेट फैंस ने भारतीय टीम का उत्साह बढ़ाने के लिए 1090 चौराहे से दौड़ लगाई। लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से एलएसजी रन रन फॉर इंडिया मैराथन का आयोजन किया गया। मैराथन में शामिल क्रिकेट फैन क्षितिज तिवारी ने कहा आज हार्दिक पांड्या मैच विनर शामिल होंगे। श्रेयांस ने कहा आज टीम इंडिया जीतेगी। मैराथन तीन श्रेणियों में हुई। इसमें सभी आयु वर्ग के लोगों ने भाग लिया। 10 किलोमीटर दौड़ को सुबह 6.30 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, इसके बाद पांच किलोमीटर की दौड़ सुबह 7 बजे शुरू हुई। बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए तीन किलोमीटर दौड़ सुबह 7.15 बजे आयोजित हुई। इसके बाद सुबह 8 बजे दौड़ के सभी विजेताओं को पुरस्कार दिया गया। मैराथन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी लखनऊ सुपर जायंट्स की नई जर्सी पहनकर दौड़े। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में महिला धावक भी इस दौड़ में हिस्सा लिया। लखनऊ सुपर जायंट्स के मैनेजमेंट का कहना है कि एलएसजी रन द रन फॉर इंडिया का उद्देश्य शहर के नागरिकों, फिटनेस प्रेमियों, युवाओं और परिवारों को एक मंच पर लाकर स्वास्थ्य, सामुदायिक भावना और खेल के प्रति उत्साह को बढ़ावा देना है। डॉक्टर क्षितिज तिवारी ने कहा मैराथन में अपने दोस्तों के साथ शामिल हुई। आज टीम इंडिया का दिन है, हम ट्रॉफी जीतेंगे। हार्दिक पांड्या निश्चित तौर पर आज मैच विनर होंगे। आज महिला दिवस भी है। आप यहां पर लगी इन्फ्लूएंसर्स की लिस्ट देखिए। हमारी छोरियां छोरो से कम हैं के।

आधी आबादी के लिए सम्मान, सशक्तीकरण व रोजगार का संगम

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को राजधानी में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में नारी शक्ति का सम्मान किया। महिला सशक्तीकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित इस कार्यक्रम में न सिर्फ आधी आबादी का सम्मान किया गया बल्कि उन्हें रोजगार के नए अवसर भी मिले। मुख्यमंत्री ने योजनाओं के तहत लाभार्थी महिलाओं को चेक, नियुक्ति पत्र व आयुष्मान कार्ड प्रदान किए। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए 38.49 करोड़ रुपये की धनराशि का डीबीटी अंतरण भी किया। उन्होंने इस मौके पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न योजनाओं की लाभार्थी महिलाओं से संवाद भी स्थापित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंगनबाड़ी कार्यकताओं के बीमा प्रीमियम व साड़ी वर्दी के लिए 38.49 करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से खाते में ट्रांसफर किए। इसमें साड़ी-वर्दी के लिए 29.59 करोड़ रुपये तथा बीमा प्रीमियम की 8.90 करोड़ रुपये की धनराशि अंतरित की गई। सीएम योगी ने नेहा दुबे, मानसी साहू, पूनम तिवारी, मनोरमा मिश्रा को साड़ी और सेवा मित्र आकांक्षा ब्यूटीशियन व रत्ना भारती को यूनिफॉर्म प्रदान कीं। मुख्यमंत्री ने रोजगार संगम पोर्टल के मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शानवी गुप्ता, काव्या कश्यप, नैंसी रावत, साक्षी कुमारी, अभिश्री गुप्ता व शायरा बानो को चेक देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने इन बच्चियों से बातचीत की, उन पर अपना स्नेह बरसाया और उन्हें उपहार दिए। सराहनीय कार्य करने वाली महिला कर्मियों का सम्मान किया। उन्होंने महिला कल्याण विभाग की छाया बड़वल बरेली व उमैरा मेराज लखनऊ और महिला सुरक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने वाली पुलिस निरीक्षक नीलम राणा, मुख्य आरक्षी वेदवती व शिमला सिंह को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने बाल विवाह की रोकथाम तथा 181 महिला हेल्पलाइन में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कुमारी नैंसी फतेहपुर, पायल बागपत और लखनऊ की स्नेहलता व दीप्ति को भी सम्मानित किया। सीएम योगी ने सभी को प्रशस्ति पत्र के साथ बधाई व शुभकामनाएं दीं। राजकीय गृहों व मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली दुर्गा यादव वाराणसी, हाईस्कूल में 85 फीसदी से अधिकअंक मोहिनी पाल लखनऊ इंटरमीडिएट में 82 फीसदी अंक, स्नेहा यादव हाईस्कूल में 95 फीसदी, श्रेया अवस्थी हाईस्कूल में 89 फीसदी अन्वी शुक्ला हाईस्कूल में 86 फीसदी, कृतिका शर्मा इंटरमीडिएट में 95 फीसदी व प्रांशी इंटरमीडिएट में 88 फीसदी को उनकी शानदार सफलता के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शैलवी शारदा, कीर्ति करमचंदानी, आनंदी अग्रवाल व गीतांजलि को नारी शक्ति अवार्ड से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों सरोजिनी नगर की गुड़िया सिंह, प्रियंका सिंह, सुधा अवस्थी, उमा सिंह व लीलावती को मंच पर आयुष्मान कार्ड प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रम विभाग द्वारा सेवायोजित अपूर्वा, अमृता, शिवानी पांडेय, क्रुतुर एन, अमृता वाजपेयी, खुशी कांकर, साक्षी सिंह, अपूर्वा तिवारी, संगीता कुशवाहा व शिवांगी को नियुक्त पत्र सौंपे। इसके अलावा सीएम ने 10 नवचयनित मुख्य सेविकाओं कामिनी मौर्य, सुनयना कुमारी, अंजुम फातिमा, रीता वर्मा, स्मृति कपूर, गुंजा गुप्ता, बबिता वर्मा, रूबी मौर्या, श्रद्धा तिवारी व सुमित्रा को भी नियुक्ति पत्र प्रदान किए। सीएम योगी ने इस मौके पर आईसीडीएस के 50 वर्ष पूरे होने पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों पर आधारित पुस्तक आत्ममंथन का विमोचन किया।

पश्चिम बंगाल में जो कुछ हुआ, वह अति-दुर्भाग्यपूर्ण, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अनादर पर बोलीं मायावती

लखनऊ (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल संबंधी राजनीतिक विवाद को अति दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए रविवार को कहा कि सभी को भारतीय संविधान की मान-मयार्दा के मुताबिक राष्ट्रपति पद का सम्मान करना चाहिए और इस ओहदे का किसी भी रूप में राजनीतिकरण करना ठीक नहीं है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने एक्स पर कहा, सभी को संविधान के आदर्शों और गरिमा के अनुरूप राष्ट्रपति पद का

सम्मान करना चाहिए और किसी भी प्रकार से संवैधानिक पदों का राजनीतिकरण करने से बचना चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मू ने शनिवार को बागडोगरा हवाई अड्डे के पास आयोजित आदिवासी समुदाय के कार्यक्रम में कम उपस्थिति पर असंतोष व्यक्त किया था और कार्यक्रम स्थल को बिधाननगर से स्थानांतरित करने के निर्णय पर सवाल उठाया था। उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके मंत्रियों की अनुपस्थिति का भी जिक्र किया था। मायावती ने पश्चिम बंगाल की घटना की निंदा करते हुए कहा कि वर्तमान में देश की राष्ट्रपति एक महिला होने के साथ-साथ आदिवासी समाज से भी हैं, लेकिन अभी हाल में पश्चिम बंगाल में उनके दौरे में जो कुछ भी हुआ, वह नहीं होना चाहिये था।

महिला दिवस पर प्रगति 2026-आत्मसम्मान से समानता तक बाल उत्सव का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार की पहल पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लखनऊ के दयाल गेटवे गोमती नगर में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बालिकाओं के आत्मसम्मान, समानता और सशक्तिकरण को समर्पित कार्यक्रम ‌ प्रगतिरू आत्मसम्मान से समानता तक बाल उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह ने किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा तैयार की गई कॉमिक पुस्तकों, मीना मंच की पूर्व बालिकाओं की प्रेरणादायक सफलता कहानियों तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों से संबंधित केस स्टडी बुकलेट का विमोचन भी किया गया ।मुख्य अतिथि बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस नारी शक्ति के सम्मान और उनके योगदान को नमन करने का अवसर है। नारी शक्ति के बिना इस संसार की कल्पना नहीं की जा सकती और यदि यह संसार आगे बढ़ रहा है तो उसमें महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए कहा ृयत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः, अर्थात जहां नारी का सम्मान होता है वहीं देवताओं का वास होता है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब समाज में बेटियों को बेटों की तुलना में कम अवसर मिलते थे, लेकिन आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं। आज बेटियां शिक्षा, खेल, विज्ञान, प्रशासन और तकनीक जैसे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और कई प्रतियोगिताओं में शीर्ष स्थान प्राप्त कर रही हैं ।मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय संचालित हैं, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से 12वीं कक्षा तक उच्चीकृत किया जा रहा है ताकि बालिकाओं को आवासीय वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके ।बउन्होंने बताया कि प्रदेश के कुल 826 विकास खंडों में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया है, जिससे हर क्षेत्र की बालिकाओं को शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकें ।उन्होंने कहा कि योगी सरकार द्वारा बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। डीबीटी के माध्यम से छात्रों को जूते, मोजे, स्कूल बैग, कॉपी और किताबों के लिए 1200 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जिससे आर्थिक कारणों से किसी भी बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो।

मजबूत समाज बनाने में महिलाओं की भूमिका सबसे अहम

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर कहा कि एक मजबूत समाज बनाने में महिलाओं की सबसे अहम भूमिका होती है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार श्आधी आबादी की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर योगी की पाती शीर्षक से एक पोस्ट में कहा कि साल 2017 से पहले कई लड़कियां शाम के बाद अपने घरों से बाहर निकलने में झिझकती थीं और स्कूल एवं कॉलेज आने-जाने में खुद को असुरक्षित महसूस करती थीं। उन्होंने कहा, याद करिए, 2017 से पहले शाम होते ही घर से बाहर निकलने में बेटियां घबराती थीं। स्कूल-कॉलेज तक जाने में डर लगता था। महिलाओं से अपराध आम बात थी, लेकिन आज बेटियां रात की पाली में भी काम कर रही हैं। यह संभव हुआ है स्पष्ट नीति और साफ नीयत से। सीएम ने अपने शासनकाल में महिलाओं की सुरक्षा के लिए उठाये गये कदमों का जिक्र करते हुए कहा कि मिशन शक्ति और एंटी रोमियो जैसे अभियानों ने बेटियों के विरुद्ध अपराध करने वालों के मन में डर पैदा किया है। जहां बेटियां सुरक्षित और सम्मानित होती हैं, वहां समाज सतत प्रगति करता है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना बेटियों के जन्म से शिक्षा तक पग-पग पर साथ है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना से गरीब परिवारों के लिए आत्मसम्मान के साथ बेटियों का विवाह संभव हुआ है। पुष्टाहार योजना के माध्यम से गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को बेहतर पोषण देकर आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य में उत्साहवर्धक परिवर्तन सुनिश्चित किया गया है। निराश्रित महिलाओं की पेंशन राशि 1,000 रुपये से बढ़ाकर 1,500 रुपये की गई है। सीएम ने दावा किया कि सरकार के इन्हीं प्रयासों का सुफल है कि आज छात्राओं के स्कूल छोड़ने की दर में भारी कमी आई है और मातृ मृत्युदर एवं शिशु मृत्युदर में अभूतपूर्व गिरावट आने के साथ-साथ शिक्षा से रोजगार तक बेटियों को समान अवसर मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, उत्तर प्रदेश की नारी शक्ति आज स्वावलंबन का नया अध्याय रच रही है। स्टार्टअप से उद्यमी क्रेडिट कार्ड तक हर ओर उद्यमिता के अवसर हैं। प्रदेश के सभी विकास खंडों तक स्वयं सहायता समूहों का विस्तार हुआ है। लगभग 40 हजार बीसी सखियां आत्मविश्वास के साथ हजारों करोड़ के वित्तीय लेनदेन कर रही हैं। लखपति दीदी, ड्रोन दीदी, स्वास्थ्य सखी, सूर्य सखी न केवल अपने परिवार को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही हैं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रही हैं। उन्होंने महिलाओं और लड़कियों का आह्वान करते हुए कहा, नारी का सम्मान समस्त समाज के लिए सर्वोपरि होना चाहिए। प्रदेश की सम्मानित बेटियों, आपको न किसी से डरने की आवश्यकता है, न छोटे सपने देखने हैं।

लखनऊ गुरुद्वारा कार्यकारिणी के नए पदाधिकारी घोषित

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के इंदिरा नगर स्थित श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा में रविवार को साप्ताहिक दीवान के दौरान गुरुद्वारा कार्यकारिणी के नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई। इस दौरान सरदार अजीत सिंह को सर्वसम्मति से गुरुद्वारा इंदिरा नगर का नया अध्यक्ष और सरदार जसवंत सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी भाई राजवीर सिंह ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को गुरु घर का सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर संगत में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखा गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। नवनियुक्त अध्यक्ष अजीत सिंह ने गुरुद्वारा की सेवा और संगत की भलाई के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया। वहीं, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जसवंत सिंह ने भी संगत के सहयोग से गुरुद्वारा की धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। इस कार्यक्रम में गुरुद्वारा इंदिरा नगर की संगत, कार्यकारिणी के पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। दीवान की समाप्ति के बाद परंपरा के अनुसार श्रद्धालुओं के बीच गुरु का लंगर वितरित किया गया, जिसमें सभी ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया।

सदका फित्र अपनी और अपनी नाबालिग औलाद की तरफ से देना वाजिब

लखनऊ (संवाददाता)। रमजान हेल्पलाइन देश में इस किस्म की पहली हेल्पलाइन है। इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया के तहत दारूल निजामिया फरंगी महल में रोजेदारों की दीनी और शरअई रहनुमाई के लिए वर्ष 2001 में रमजान हेल्पलाइन कायम की गयी थी जिसकी मकबूलियत खुदा पाक के करम से आज भी बरकरार है। इस हेल्प लाइन से लोग फोन और म.उंपस के जरिए रोजा, नमाज, जकात ऐतिकाफ और दूसरे सवालात मुल्क और बाहर के मुल्कों से भी करते है। इन सवालात के जवाब मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की अध्यक्षता में उलमा का एक पैनल देता है, लोग इन नम्बरों 9415023970, 9335929670, 9415102947, 7007705774, 9140427677 और म.उंपस रू तंउंदीमसचसपदम2005/हउंपसण्बवउ और वेब साइट,ूण्तिंदहपउींसण्पद पर सवाल पूछ सकते है।

सवालः 1 क्या एक मस्जिद में तरावीह की दूसरी जमाअत हो सकती है?

जवाबः 1 जिस मस्जिद में एक बार तरावीह की जमाअत हो चुकी हो तो दूसरी बार इसी रात में वहाँ तरावीह की जमाअत सही नही, लेकिन अकेले अकेले पढ़ना सही है।

सवालः 2 सदका फित्र किस किस की तरफ से देना वाजिब है?

जवाबः 2 सदका फित्र अपनी और अपनी नाबालिग औलाद की तरफ से देना वाजिब है।

जीतो ने महिला दिवस पर जागरूकता कार रैली निकाली

लखनऊ (संवाददाता)। (जीतो) ने महिला दिवस के अवसर पर रविवार सुबह एक नेशनल कार रैली का आयोजन किया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य आमजन को थैलेसीमिया और सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूक करना था। जीतो महिला प्रकोष्ठ की महासचिव मनीषा जैन ने बताया कि महिलाओं और बच्चों को प्रभावित करने वाली ये दोनों बीमारियां गंभीर हैं। हालांकि, शुरूआती सावधानी और समय पर जांच से इनका बचाव संभव है। उन्होंने जोर दिया कि इन बीमारियों से लड़ने में जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण हथियार है। रैली का शुभारंभ डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज से हुआ। संस्थान के निदेशक डॉ. सी. एम. सिंह, कल्याण सिंह मल्टीस्पेशलिटी कैंसर संस्थान के निदेशक डॉ. एम. एल. बी. भट्ट और लखनऊ की पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया ने इसे हरी झंडी दिखाई ।यह रैली शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए बीबीडी बैडमिंटन एकेडमी पर समाप्त हुई। इसमें लगभग 150 से अधिक वाहनों ने भाग लिया, जिनके प्रतिभागियों ने जागरूकता संदेश प्रसारित किए। वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक गर्ग ने जीतो की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे जागरूकता अभियान अत्यंत आवश्यक हैं और हर व्यक्ति को बदलाव की शुरूआत अपने घर से करनी चाहिए। डॉ. आंचल ने महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और नियमित जांच कराने का संदेश दिया। पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया ने टिप्पणी की कि जीतो का यह प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और लोगों को गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूक करने में सहायक सिद्ध होगा ।जीतो लखनऊ चौप्टर के चीफ सेक्रेटरी अभिषेक जैन ने बताया कि जैन समाज सेवा कार्यों में हमेशा अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि संस्था का लक्ष्य देश को कैंसर मुक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य करना है।

संक्षिप्त खबरें

लड़कियों को भावनाओं को कमजोरी न बनने देने की सलाह

लखनऊ (संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने मीना मंच के माध्यम से लड़कियों को अपने सपनों को साकार करने के लिए दिए गए मंच की सराहना करते हुए शिक्षकों, अभिभावकों और समाज की भूमिका पर जोर दिया। वीमेंस डे पर आयोजित कार्यक्रम में यूनिसेफ की लड़कियों के शैक्षिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। डीजी स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने खेल, शिक्षा और सांस्कृतिक गतिविधियों में उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित लड़कियों और अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने लड़कियों को भावनाओं को तर्क और विवेक के साथ जोड़कर अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाने की सलाह दी। भावनाओं को कमजोरी न बनने देने के लिए प्रोत्साहित किया लड़कियों को अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने पर बल दिया क्योंकि वह उनके परिवार और समाज के लिए कुछ करने की नींव है। लड़कियों को शिक्षा विभाग द्वारा प्रदान किए गए अवसरों जैसे खान अकादमी, कस्तूरबा खेल, स्मार्ट क्लास और आईसीटी लैब का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। लड़कियों को सलाह दी कि वे सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग रुचि के अनुसार करें और केवल वही देखें जो उनकी उन्नति में सहायक हो। डीजी मोनिका रानी बोली, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को केवल एक दिन का कार्यक्रम न मानकर इसे अपनी दृढ़ शक्ति और निरंतरता के साथ आत्मसात करने की आवश्यकता है। लड़कियों को प्रेरित करने के लिए विभाग द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं।

निशांत कुमार के जदयू ज्वाइन करने पर खुशी

लखनऊ (संवाददाता)। जनता दल यूनाइटेड के सर्वमान्य नेता, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुपुत्र युवा नेता निशांत कुमार के जनता दल यूनाइटेड की सदस्यता ग्रहण करने पर जनता दल यूनाइटेड उत्तर प्रदेश के प्रदेश कार्यालय पर जश्न मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह पटेल ने अपने संदेश में निशांत कुमार के पार्टी से जुड़ने का स्वागत करते हुए कहा कि उनके इस निर्णय से पार्टी के कार्यकताओं के अन्दर जबरदस्त उत्साह और जोश है और चारों तरफ खुशी की लहर है क्योंकि बहुत दिनों से पार्टी के जिम्मेदार नेताओं की यह मांग थी कि निशांत कुमार पार्टी से जुड़ें। आज सभी की मांग पूरी हुई और निशांत कुमार ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर लिया। उत्तर प्रदेश के कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह है और इसीलिए पार्टी कार्यालय पर जश्न मनाया गया ।इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश महासचिव भैया हरिशंकर पटेल, प्रदेश महासचिव सुभाष पाठक, हरि किशोर उत्तम,प्रदेश कोषाध्यक्ष अमर सिंह कटियार, प्रदेश प्रवक्ता प्रो के के त्रिपाठी, कुंवर अजय सिंह, प्रदेश कार्यालय प्रभारी ओमप्रकाश वर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष नंदन, प्रदेश सचिव ओमप्रकाश गुप्ता किकर, प्रदेश सचिव जितेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश सचिव निसार खान,लखनऊ जिला अध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव, लखनऊ जिला महासचिव तेज कुमार सरना लखनऊ महानगर अध्यक्ष मंजर अब्बास,बरिष्ठ नेता डॉ जितेन्द्र सिंह सचान, संदीप वर्मा ,मुसाफिर सिंह, बृजभूषण सिंह, सी एल वर्मा, राकेश सिंह, फूल चन्द्र आर्या, किरन द्विवेदी,ऋषभ सिंह रावत सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जयन्त चौधरी को मिला इंडिया-यूके अचीवर अवार्ड

लखनऊ (संवाददाता)। केंद्रीय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कौशल विकास एवं उद्यमशीलता तथा शिक्षा मंत्रालय जयन्त चौधरी को इंडिया-यूके अचीवर अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया ।यह प्रतिष्ठित सम्मान उन व्यक्तित्वों को दिया जाता है, जिन्होंने ब्रिटेन के शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययन किया है और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देकर समाज, अर्थव्यवस्था तथा सार्वजनिक जीवन में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। जयन्त चौधरी को यह सम्मान लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के पूर्व छात्र के रूप में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

वीएचआरपी ने मौलाना अब्दुल्ला का पुतला फूंका

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में विश्व हिंदू रक्षा परिषद के सदस्यों ने बिहार के मौलाना अब्दुल्ला सालिम चतुर्वेदी का पुतला फूंका। वीएचआरपी के कार्यकताओं ने जमकर हंगामा करते हुए मौलाना के पुतले को पहले पैरों से कुचला फिर आग के हवाले कर दिया। मौलाना ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की मां पर आपत्तिजनक और भड़काऊ बयान दिया था। इससे भाजपा कार्यकर्ता और हिंदू नेताओं में काफी रोष है। नाराज वीएचआरपी के कार्यकताओं ने मौलाना के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मुकदमा दर्ज करके गिरफ्तार करने की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व कर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा ये सिर्फ योगी की मां का नहीं बल्कि पूरे भारत की मांओं का अपमान है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एक संत भी हैं, जिनका सम्मान और अधिक बढ़ जाता है। ऐसे सन्यासी और संत की मां का अपमान भारत बर्दाश्त नहीं करेगा। गोपाल राय ने कहा अभी तो पुतला जलाकर बस चेतावनी दी गई है। ऐसे लोग सुधर जाएं और माफी मांग लें। अगर बयान देने वाला शख्स माफी नही मांगता है, तो पूरे भारत में वीएचआरपी के लोग महा आंदोलन करेंगे। ऐसे लोग राजनीति चमकाने के लिए इस तरह के बयान देते हैं। किसी व्यक्ति की नीतियों का विरोध हो सकता है। मगर उनकी मां पर टिप्पणी करना बेहद गलत है। ऐसे लोगों को फांसी की सजा होनी चाहिए। गोपाल राय ने कहा करोड़ों लोगों की आस्था सीएम योगी में है। मौलाना के खिलाफ सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज करके जेल भेजा जाए। यह बिल्कुल भी स्वीकार करने वाली बात नहीं है कि एक राज्य के मुखिया के खिलाफ इतना आपत्तिजनक बयान दिया जाए। इस चीज की भी जांच होनी चाहिए कि क्या ऐसे लोगों को किसी संगठन का संरक्षण तो प्राप्त नहीं है।

किसान के घर से 15 लाख के गहने चोरी, 75 हजार की नकदी भी ले गए चोर

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में बीती रात नकाबपोश चोरों ने एक किसान के घर को निशाना बनाया। चोर लाखों रुपए के गहने और हजारों की नगदी लेकर फरार हो गए। रविवार सुबह घटना की जानकारी होने पर पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। सरोजनी नगर के रनियापुर निवासी किसान उमाशंकर अपनी पत्नी, बहू और बेटे शिव शंकर के साथ रहते हैं। होली के त्योहार के चलते उनकी विवाहित बेटी भी घर आई हुई थी। उमाशंकर के बेटे शिव शंकर के अनुसार, शनिवार रात सभी परिवार के सदस्य खाना खाकर घर में सो गए थे। उमाशंकर मुख्य दरवाजे पर लगे चौनल के पास बाहर सो रहे थे। इसी दौरान चोरों ने घर के बगल वाले चौनल का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। चोरों ने कमरे में रखी अलमारी तोड़ दी और उमाशंकर की पत्नी, बहू और बेटी के लगभग 15 लाख रुपए के गहने तथा 75 हजार रुपए की नगदी चोरी कर ली। रविवार सुबह जब उमाशंकर उठे, तो उन्हें घर के बगल वाले चौनल का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखने पर अलमारी और लॉकर टूटे हुए थे, और सारा सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी में रखे गहने और नगदी गायब थे। इसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। सीसीटीवी फुटेज की जांच में दो नकाबपोश बदमाश तमंचा और तलवार लिए हुए दिखाई दिए ।पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

संपादकीय

ताकि बचे बचपन

डिजिटल क्षेत्र में भारत के अग्रणी राज्य कर्नाटक ने सोलह साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बचाने के लिये देश में सबसे पहले अनुकरणीय पहल की है। राज्य सरकार ने 2026-27 के बजट सत्र के दौरान घोषणा की है कि किशोरवय अब सोशल मीडिया का उपयोग नहीं कर सकेंगे। यह निर्णय अभिभावकों की उस चिंता को कम करता है जो अनियंत्रित डिजिटल गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले जोखिम से परेशान थे। जिसमें साइबर बुलिंग व साइबर धोखाधड़ी भी शामिल है। कर्नाटक की पहल के बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी विधानसभा में घोषणा की है कि अगले नब्बे दिनों के भीतर 13 साल से कम उम्र के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगा दी जाएगी। इस तरह आंध्र प्रदेश कर्नाटक के बाद ऐसा सख्त फैसला लेने वाला दूसरा राज्य बनने जा रहा है। इस प्रकार ये दो राज्य तेजी से ऑनलाइन होती दुनिया में किशोरों की सुरक्षा कैसे की जाए, की वैश्विक बहस में शामिल हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि ऐसी पहल पहले आस्ट्रेलिया और फ्रांस आदि देशों में हो चुकी है। हालांकि, इन राज्यों की पहल सराहनीय है, लेकिन इस प्रतिबंध का प्रभावी क्रियान्वयन कैसे सुनिश्चित होगा, इसका प्रारूप अभी स्पष्ट नहीं है। दरअसल, देश-दुनिया के मनोवैज्ञानिक और बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बार-बार चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग किशोरों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। उल्लेखनीय है कि इस चिंता का जिक्र 2025-26 के केंद्र सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण में भी किया गया था। कर्नाटक व आंध्र प्रदेश की यह पहल तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य के प्रति एक सुरक्षात्मक दृष्टिकोण ही दशार्ती है। लेकिन यहां सवाल उठता है कि इस कार्य योजना को अमलीजामा कैसे पहनाया जाएगा? यह हकीकत जानते हुए कि आज के डिजिटल युग में, स्मार्टफोन और ऐप्स शिक्षा, संचार और दैनिक जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं। यहां उल्लेखनीय है कि तमाम स्कूल असाइनमेंट और अपडेट के लिये मैसेजिंग एप्स, ऑनलाइन पोर्टल और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निर्भरता बढ़ गई है। यही वजह है कि छात्रों द्वारा शैक्षिक और सामाजिक उपयोग के बीच अंतर करना मुश्किल साबित हो सकता है। वहीं चिंता की बात यह भी कि किशोरों की आयु का सत्यापन कैसे व्यावहारिक बनाया जा सकेगा। वहीं देखना होगा कि सोशल मीडिया को संचालित करने वाली तकनीकी कंपनियां किस हद तक इस दिशा में सहयोग करेंगी। सहयोग न मिलने पर प्रतिबंध की व्यावहारिकता पर सवालिया निशान लग सकते हैं। उन परिवारों में जहां एक ही मोबाइल फोन का परिवार के अन्य सदस्य भी उपयोग करते हैं, वहां प्रतिबंध की व्यावहारिकता पर सवाल लग सकते हैं। उल्लेखनीय है कि आस्ट्रेलिया में पहले ही सोलह साल से कम उम्र के बच्चों के लिये सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लागू है। वहीं दूसरी ओर फ्रांस जैसे अन्य देश भी सख्त डिजिटल सुरक्षा नियमों को लागू करने को लेकर गंभीर हैं। इसमें दो राय नहीं कि बच्चों को बेहतर डिजिटल सुरक्षा दी जानी जरूरी है, लेकिन केवल नियमन मात्र से इस जटिल समस्या का समाधान संभव नहीं हो सकता है। इस दिशा में सार्थक परिवर्तन सरकारों, स्कूलों, तकनीकी प्लेटफॉर्मों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से अभिभावकों के बीच एक संतुलित दृष्टिकोण पर निर्भर करेगा। हालांकि, किशोरों को सोशल मीडिया की विकृतियों से बचाने के लिये तात्कालिक पहल केंद्र सरकार की तरफ से की जाती तो उसका देशव्यापी प्रभाव होता। लेकिन इसके बावजूद यदि कर्नाटक व आंध्र प्रदेश ने इस दिशा में पहल की है तो उम्मीद की जानी चाहिए कि अन्य राज्य भी इससे प्रेरणा ले सकेंगे। फिर निश्चित तौर पर केंद्र सरकार को भी देश में एक केंद्रीय कानून लाने को बाध्य होना पड़ सकता है। वहीं केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर विषय विशेषज्ञों और समाज के विभिन्न वर्गों से भी राय लेनी चाहिए। ऐसे वक्त में जब बच्चों का स्क्रीन टाइम एक लत के रूप में लगातार बढ़ा है तथा उनकी एकाग्रता कम होने से पढ़ाई बाधित हो रही है, तो इस संकट का समाधान केंद्र व राज्यों की प्राथमिकता होनी चाहिए

जोखिम भी कम नहीं करिश्माई तकनीक के

एक ऐसे समय में, जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकियों पर यह तोहमत है कि वे दुनिया भर की नौकरियों के लिए काल बन रही हैं और नैतिकता के प्रश्न इस तकनीक से संबंधित सवालों के शीर्ष पर हैं। इस सम्मेलन के आयोजन को तकनीक से बाहर के कई सवालों पर विचार-मंथन का मंच कहा जा सकता है। यह बात दीगर है कि कई सवालों के जवाब अभी नहीं मिले। ऐसा हो भी नहीं सकता, क्योंकि यह तकनीक और इससे जुड़ी सुविधाएं-दुविधाएं नयी हैं। धीरे-धीरे ही इससे जुड़े कई मसलों का हल सामने आएगा। जहां तक इस सम्मेलन की सफलता का सवाल है, तो इसके दो स्पष्ट छोर दिखे। एक छोर पर उत्साह और जिज्ञासा थी। दावा है कि अमेरिका के बाद भारत का एआई उपभोक्ता वर्ग सबसे बड़ा है। इसकी झलक सम्मेलन के पंडाल के अंदर-बाहर मौजूद भीड़ के रूप में मिली। जो संकेत थी कि भारत में कितने अधिक लोग एआई के बारे में जानने-समझने और इसे आजमाने के लिए उत्सुक हैं। दूसरे छोर पर गड़बड़ियां दिखीं।

एशिया की नजर से देखें, तो इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 को भारत इसलिए उपलब्धि मान सकता है कि एक उभरती हुई तकनीक में वैश्विक सम्मेलन का आयोजन करते हुए देश ने समय के साथ तेज कदमताल करने का साहस दिखाया। एक ऐसे समय में, जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकियों पर यह तोहमत है कि वे दुनिया भर की नौकरियों के लिए काल बन रही हैं और नैतिकता के प्रश्न इस तकनीक से संबंधित सवालों के शीर्ष पर हैं। इस सम्मेलन के आयोजन को तकनीक से बाहर के कई सवालों पर विचार-मंथन का मंच कहा जा सकता है। यह बात दीगर है कि कई सवालों के जवाब अभी नहीं मिले। ऐसा हो भी नहीं सकता, क्योंकि यह तकनीक और इससे जुड़ी सुविधाएं-दुविधाएं नयी हैं। धीरे-धीरे ही इससे जुड़े कई मसलों का हल सामने आएगा। जहां तक इस सम्मेलन की सफलता का सवाल है, तो इसके दो स्पष्ट छोर दिखे। एक छोर पर उत्साह और जिज्ञासा थी। दावा है कि अमेरिका के बाद भारत का एआई उपभोक्ता वर्ग सबसे बड़ा है। इसकी झलक सम्मेलन के पंडाल के अंदर-बाहर मौजूद भीड़ के रूप में मिली। जो संकेत थी कि भारत में कितने अधिक लोग एआई के बारे में जानने-समझने और इसे आजमाने के लिए उत्सुक हैं। दूसरे छोर पर गड़बड़ियां दिखीं। पहली गड़बड़ी वीआईपी हस्तियों के आवागमन के दौरान सम्मेलन में हिस्सा लेने आए लोगों, जानकारों और तकनीक के प्रदर्शकों को ही हॉल से बाहर करने से संबंधित थी। इस समस्या से पार पाया गया, तो एक निजी विश्वविद्यालय के चीन-निर्मित एआई रोबोट को अपना आविष्कार बताने के दावे ने जगहंसाई करा दी। हालांकि एक वैश्विक आयोजन में ऐसी समस्याएं पैदा होना स्वाभाविक है। इन घटनाओं से सबक लेकर दूसरे ऐसे आयोजनों में सावधानियां बरती जा सकती हैं। लेकिन प्रमुख सवाल है कि क्या इसके बावजूद सम्मेलन को सफल माना जा सकता है? एआई में देश के रूप में भारत कई उम्मीदें जगाता है। विशाल

युवा आबादी वाले वर्ग की इसमें बड़ी भूमिका है। क्योंकि इस आबादी में बहुत बड़ा हिस्सा उनका है, जो तकनीक के मामले में शिक्षित हैं और सूचना-प्रौद्योगिकी क्षेत्र के वैश्विक मंच पर उल्लेखनीय दखल रखते हैं। सत्या नडेला से लेकर सुंदर पिचाई तक भारतीय युवा पेशेवरों की लंबी लिस्ट है जो साबित करती है कि कंप्यूटर-आईटी के मामले में हमारी प्रतिभाओं का कोई सानी नहीं। आईटी के बाद इंटरनेट की दुनिया में जब से एआई की चर्चा चली है, यह दावा भी किया जाने लगा था कि इसमें भी भारतीय पेशेवर आगे रहेंगे। हालांकि एआई का यह नया दौर अभी शैशवावस्था में है, अभी यह कहना प्रासंगिक नहीं होगा। वजह यह कि अपने नए रूप-रंग में आते ही एआई को तकरीबन हर दूसरे क्षेत्र (सेक्टर) की नौकरियों का काल माना जाने लगा है। दूसरी समस्या है कि अभी एनवीडिया और ओपनएआई समेत जो एआई कंपनियां धाक जमा पाई हैं, उनमें से ज्यादातर अमेरिकी हैं। या फिर डीपसीक जैसी पहलकदमियों के बल पर चीन बड़ा मैदान मारने की कोशिश में है। मामला असल में इनोवेशन का है, जिसमें भारत को दांव आजमाना चाहिए। लेकिन इस मोर्चे पर अभी हमारा देश कुछ ठोस खोजने में कामयाब नहीं रहा। शायद यही वजह कि इस शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र में भारत ने एआई के प्रति अमेरिका की उदासीन नीतियों का आसानी से समर्थन कर दिया। इसकी वजह यही समझ में आती है कि जिन लोगों, संस्थाओं और संगठनों के कंधों पर देश में एआई से संबंधित नवाचार करने की जिम्मेदारी है, उनके पास कुछ नया कहने-सुनने व करने को नहीं है। अभी कोई स्वदेशी कंपनी चौटजीपीटी से आगे की एआई तकनीक का कोई मॉडल नहीं सुझा पाई। इसके बरक्स भारत की सर्वम एआई के चौटजीपीटी सरीखे विकल्प एआई चौट ऐप इंडस को रखें, उसका नाम बहुतेरे लोगों ने नहीं सुना। भारत ने सर्वम के अलावा दो अन्य एआई मॉडल भी दुनिया के सामने रखे- ज्ञानी और भारतजेन। लेकिन ये दोनों मॉडल अभी आमजन के लिए अपरिचित हैं। यह सब तब है, जब भारत एआई को सबसे ज्यादा डेटा मुहैया कराता है। यहां डेटा सेंटरों की क्षमता तेजी से बढ़ रही है। इसलिए एआई के इस दौर में ज्यादा जरूरत नई जमीनें तोड़ने की है, ताकि इसकी शक्ति का सही और सतर्क इस्तेमाल किया जा सके। ध्यान रखना होगा कि एआई सिर्फ सॉफ्टवेयर का विषय नहीं है। इसमें सेमीकंडक्टर और इस तकनीक को संचालित करने वाले ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) की बड़े पैमाने पर जरूरत होती है। इन दोनों ही क्षेत्रों में फिलहाल ताइवान और अमेरिकी कंपनियों को काफी ज्यादा बढ़त हासिल है। देश में सेमीकंडक्टर निर्माण की प्रक्रिया तो शुरू हो चुकी है और विक्रम नाम से देश की पहली सेमीकंडक्टर चिप बनाई है, लेकिन जीपीयू के मामले में अमेरिका की एनवीडिया का विकल्प पैदा करना आसान नहीं। एक और अहम चुनौती एआई के नैतिक इस्तेमाल और सुरक्षा मानकों की है। भारत की एक इमेज साइबर फ्रॉड मामलों में शीर्ष देश की भी है, तो देश में एआई के इस्तेमाल के रूप पर चिंताजनक परिदृश्य सामने आता है। एआई के नैतिक इस्तेमाल का दायरा शिक्षा से लेकर शोध क्षेत्र तक फैला है। इसलिए एआई पर कोई महासम्मेलन आयोजित करने के साथ-साथ इसका बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने, नवाचार की गुंजाइशें पैदा करने और पश्चिमी देशों की नीतियों का आंख मूंदकर समर्थन करने की जगह यह देखने की कोशिश हो कि कैसे हम इससे देश में ज्यादा से ज्यादा रोजगार पैदा कर सकें। यह समझना होगा कि पश्चिम में एआई को बढ़ावा देने की वजह वहां काम करने योग्य आबादी की नगण्य उपस्थिति है। लेकिन भारत तथा अन्य एशियाई देशों में समस्या कामकाजी-युवा आबादी को रोजगार मुहैया कराने की है। इसलिए एआई का एक भारतीय मॉडल तैयार करना होगा, जो हमारी प्रतिभावान युवा आबादी की अपेक्षाओं-आकांक्षाओं के अनुरूप हो। हालांकि इसका अर्थ एआई का बहिष्कार करना नहीं। भारत में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन का तात्कालिक संदर्भ भारत के लिए कुछ गंभीर चुनौतियां लेकर आया है। मसलन, कैसे हम ऐसी तकनीक को अपने यहां जगह दें और उसका प्रचार-प्रसार करें, जिसकी पूंजी और बुनियादी ढांचा विदेशों में स्थित है। हमारे युवाओं के नजरिए से चुनौती है कि पश्चिम में स्थापित हो चुके वैश्विक एआई पारिस्थितिकी तंत्र में वे कैसे अपने लिए सुनिश्चित स्थान बना सकें, ताकि खुद वे युवा और आम भारतीय इस तकनीक को अपनाने से होने वाले आर्थिक परिवर्तनों का फायदा उठा सकें। भविष्य में साबित होगा कि भारत सरकार और हमारी कंपनियां इन चुनौतियों के बरक्स क्या पहलकदमियां ले सकीं, पर अभी तो जो कुछ इस सम्मेलन से हासिल हुआ है, वह भी कम महत्वपूर्ण नहीं। जैसे, सम्मेलन के समापन पर 89 देशों ने एआई के लोकतंत्रीकरण पर ज्ञान साझा करने के लिए स्वैच्छिक प्रतिबद्धताओं के घोषणापत्र (नई दिल्ली एआई इम्पैक्ट समिट डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर किए। भारतीय नेतृत्व ने भी यह स्पष्ट किया कि एआई के वैश्विक विकास में भारत योगदान देने में किसी विकसित देश जितना ही सक्षम है। दूसरी उल्लेखनीय उपलब्धि भारत और अमेरिका के बीच पैक्स सिलिका समझौता होना है। जिसमें दोनों देशों के बीच एआई और सेमीकंडक्टर जैसी तकनीक को बढ़ावा देने वाली पहलों को प्राथमिकता दी जाएगी।

बालेन शाह से नेपाल को ढेर सारी उम्मीदें

भारत के पड़ोसी इस नन्हें राष्ट्र का चुनाव परिणाम युवा शक्ति के बदलाव की दृढ़ इच्छाशक्ति का नतीजा है, जहां उनमें पलायन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और प्रभावशाली लोगों के बच्चों तक ही सीमित सुख और अय्याशी पूर्ण जीवनशैली के खिलाफ आग धधक रही थी, जिसकी लपटों में नेपाल की एक से एक पुरानी पार्टियां जलकर राख हो गईं। नेपाल से कम्युनिस्ट पार्टियों का खात्मा भारत के लिए अच्छा संकेत माना जा रहा है। सत्ता में आ रही राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को शहरी प्रभाव वाली पार्टी कहकर इसके सीमित क्षेत्रों तक सिमटने और 4 बार के प्रधानमंत्री ओली को धूल चटाते हुए ऐतिहासिक मतों के अंतर से जीते काठमांडू के पूर्व मेयर और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रधानमंत्री का चेहरा रहे बालेन शाह को कड़े मुकाबले में फंसना बताया जा रहा था। राजनीतिक विश्लेषकों के सारे के सारे अनुमान धरे के धरे रह गए। चुनाव नतीजों में हर क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को मिल रही शानदार बढ़त से यह साफ हो गया है कि राजशाही खत्म होने के बाद नेपाल को पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार नसीब होने जा रही है। पार्टी अध्यक्ष रवि लामी छाने ने बालेन शाह को पार्टी में शामिल होते ही प्रधानमंत्री का चेहरा घोषित कर दिया था। रवि लामी नई सरकार में गृहमंत्री होंगे, यह भी तय है। सरकार गठन के पूर्व उन्होंने राजनीतिक दलों से 40 साल का हिसाब लेने का बयान देकर पुराने राजनीतिक दलों में खलबली मचा दी है। उनका यह बयान भ्रष्टाचार के विरुद्ध खुली जंग के ऐलान के रूप में देखा जा रहा है।

यशोदा श्रीवास्तव

नेपाल का चुनाव परिणाम दुनिया के उन तमाम देशों के शासकों को एक सबक है, जो राष्ट्र को अपनी जागीर समझ कर शासन चलाने की भूल कर रहे हैं। भारत के पड़ोसी इस नन्हें राष्ट्र का चुनाव परिणाम युवा शक्ति के बदलाव की दृढ़ इच्छाशक्ति का नतीजा है, जहां उनमें पलायन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और प्रभावशाली लोगों के बच्चों तक ही सीमित सुख और अय्याशी पूर्ण जीवनशैली के खिलाफ आग धधक रही थी, जिसकी लपटों में नेपाल की एक से एक पुरानी पार्टियां जलकर राख हो गईं। नेपाल से कम्युनिस्ट पार्टियों का खात्मा भारत के लिए अच्छा संकेत माना जा रहा है। सत्ता में आ रही राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को शहरी प्रभाव वाली पार्टी कहकर इसके सीमित क्षेत्रों तक सिमटने और 4 बार के प्रधानमंत्री ओली को धूल चटाते हुए ऐतिहासिक मतों के अंतर से जीते काठमांडू के पूर्व मेयर और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रधानमंत्री का चेहरा रहे बालेन शाह को कड़े मुकाबले में फंसना बताया जा रहा था। राजनीतिक विश्लेषकों के सारे के सारे अनुमान धरे के धरे रह गए। चुनाव नतीजों में हर क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को मिल रही शानदार बढ़त से यह साफ हो गया है कि राजशाही खत्म होने के बाद नेपाल को पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार नसीब होने जा रही है। पार्टी अध्यक्ष रवि लामी छाने ने बालेन शाह को पार्टी में शामिल होते ही प्रधानमंत्री का चेहरा घोषित कर दिया था। रवि लामी नई सरकार में गृहमंत्री होंगे, यह भी तय है। सरकार गठन के पूर्व उन्होंने राजनीतिक दलों से 40 साल का हिसाब लेने का बयान देकर पुराने राजनीतिक दलों में खलबली मचा दी है। उनका यह बयान भ्रष्टाचार के विरुद्ध खुली जंग के ऐलान के रूप में देखा जा रहा है। ओली सरकार में बहुत कम दिनों तक गृहमंत्री रहे रवि लामी छाने की छवि एक सख्त गृहमंत्री की उभर कर जनता के सामने आई थी। उन्होंने एक से एक राजनीतिक भ्रष्टाचार को उजागर कर जनता में अपनी छवि ईमानदार नेता की बना ली थी। अमरीकी पृष्ठभूमि के रवि लामी छाने का रुख भारत के प्रति कैसा होता है यह देखना दिलचस्प होगा। हालांकि पार्टी के वरिष्ठ नेता अमरेश सिंह ने चुनाव परिणाम में पार्टी की बढ़त के बीच काठमांडू में मीडिया के सवालों के जवाब में साफ कहा कि भारत से मधुर संबंध को लेकर कोई कन्फ्यूजन नहीं है। उसे साथ लेकर नेपाल को आगे बढ़ाएंगे। लेकिन बालेन शाह हैं तो चीन के खिलाफ लेकिन भारत के प्रति उनके रुख को लेकर चचाओं का बाजार गर्म है क्योंकि बतौर मेयर उनका अपने कक्ष में ग्रेटर नेपाल का लगाया मानचित्र भारत को खटकता रहा, क्योंकि इस नक्शे में भारत के कई इलाकों को नेपाली भू-क्षेत्र दशार्या गया है। खैर अब वह एक ऐसे राष्ट्र के प्रधानमंत्री होने जा रहे हैं, जिसका संबंध भारत से केवल खानापूर्ति जैसा नहीं, दोनों के बीच रोटी-बेटी का सदियों पुराना रिश्ता तो है ही, दोनों देश भौगोलिक, रीति-रिवाज और सांस्कृतिक सभ्यता की दृष्टिकोण से भी एक-दूसरे से जुड़े हैं। बालेन शाह से नेपाल के युवाओं और महिलाओं को काफी उम्मीदें हैं। वे जेन जी आंदोलन का प्रमुख चेहरा थे। आज उनकी इस बात को लेकर तारीफ हो रही है कि जो शख्स नेपाल की दुश्वारियों को भांप कर सरकार अपदस्थ करने का माद्दा रखता हो, उसके द्वारा सरकार चलाने में किसी संशय की गुंजाइश नहीं है। बालेन शाह सरकार के कामकाज के तरीकों पर दुनिया की नजर रहना स्वाभाविक है। इस पार्टी के दो प्रमुख चेहरे बालेन शाह और रवि लामी छाने की कोई लंबी राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है। बालेन शाह इंजीनियर और रैपर रहे हैं जबकि रवि लामी छाने की पहचान एक पत्रकार की रही है। 2022 के चुनाव में उन्होंने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का गठन किया, चुनाव लड़े और 20 सीटों पर धमाकेदार जीत दर्ज की। बालेन शाह काठमांडू के युवाओं में खासा लोकप्रिय थे, निर्दलीय चुनाव लड़े और काठमांडू का मेयर बन गए। एक मेयर से नेपाल का प्रधानमंत्री बनने जा रहे बालेन शाह का जन्म एक साधारण शिक्षक परिवार में हुआ था। पढ़ाई इस स्तर की थी कि वह 2-4 लाख रुपए महीने की नौकरी कर अच्छा जीवन बिता सकते थे लेकिन उन्हें सनक थी संपूर्ण नेपाल की जीवनशैली सुधारने की। नेपाली जनता ने उन्हें यह मौका दे दिया है। अब नेपाल को तरक्की की ओर ले जाने की जिम्मेदारी उनकी है।

ईरान युद्धः भारत के लिए आगे राह खतरों भरी

जो इसकी रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक लचीलेपन की कड़ी परीक्षा ले रहा है। सबसे तात्कालिक और गहरा प्रभाव व्यापक अर्थव्यवस्था पर पड़ता है, जो इसके ऊर्जा आयात की कीमत और संरचना के माध्यम से निर्देशित होता है। भारत अपने कच्चे तेल का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है, जिसका लगभग आधा ऐतिहासिक रूप से पश्चिम एशिया से प्राप्त होता है, जो इसे बेहद संवेदनशील बनाता है। ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उछाल सीधे भारत के चालू खाता घाटे (कैड) को बढ़ाता और रुपए पर अवमूल्यन का दबाव डालता है, जिससे केंद्र सरकार के प्रबंधनीय राजकोषीय गणित का दायरा बढ़ जाता है। हालांकि, तेल व्यवधान का केवल आयतनात्मक विश्लेषण इसके गहरे और अधिक घातक खतरे को समझने में चूक जाता है। खतरा केवल मात्रा का नहीं बल्कि गुणवत्ता का है। ईरानी लाइट क्रूड, अपनी 33.36 डिग्री की इष्टतम ए.पी.आई. ग्रैविटी और मध्यम सल्फर सामग्री के साथ, वैश्विक रिफाइनिंग मैट्रिक्स में एक अद्वितीय और महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह वह आदर्श मिश्रण है, जिसके लिए वैश्विक रिफाइनरियां, विशेष रूप से डीजल और गैसोलीन जैसे मध्यम डिस्टिलेट की पैदावार को अधिकतम करने के लिए डिजाइन की गई, अनुकूलित की गई हैं। यह क्षेत्र भारतीय इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा और बासमती चावल के लिए एक बड़ा बाजार है। बढ़ते संघर्ष ने पहले ही उन समुद्री मार्गों को बाधित कर दिया है, जिनसे इस व्यापार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गुजरता है।

मनीष तिवारी

ईरान के विरुद्ध अमरीकी-इसराईली हमले, एक और क्षेत्रीय भड़कन होने के अलावा, यूरेशियाई भू-राजनीतिक और आर्थिक संरचना के लिए एक प्रणालीगत झटके के रूप में आए हैं। नई दिल्ली के लिए, यह संकट एक पूर्ण तूफान की शक्ति के साथ उतरा है, जो इसकी रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक लचीलेपन की कड़ी परीक्षा ले रहा है। सबसे तात्कालिक और गहरा प्रभाव व्यापक अर्थव्यवस्था पर पड़ता है, जो इसके ऊर्जा आयात की कीमत और संरचना के माध्यम से निर्देशित होता है। भारत अपने कच्चे तेल का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है, जिसका लगभग आधा ऐतिहासिक रूप से पश्चिम एशिया से प्राप्त होता है, जो इसे बेहद संवेदनशील बनाता है। ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उछाल सीधे भारत के चालू खाता घाटे (कैड) को बढ़ाता और रुपए पर अवमूल्यन का दबाव डालता है, जिससे केंद्र सरकार के प्रबंधनीय राजकोषीय गणित का दायरा बढ़ जाता है। हालांकि, तेल व्यवधान का केवल आयतनात्मक विश्लेषण इसके गहरे और अधिक घातक खतरे को समझने में चूक जाता है। खतरा केवल मात्रा का नहीं बल्कि गुणवत्ता का है। ईरानी लाइट क्रूड, अपनी 33.36 डिग्री की इष्टतम ए.पी.आई. ग्रैविटी और मध्यम सल्फर सामग्री के साथ, वैश्विक रिफाइनिंग मैट्रिक्स में एक अद्वितीय और महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह वह आदर्श मिश्रण है, जिसके लिए वैश्विक रिफाइनरियां, विशेष रूप से डीजल और गैसोलीन जैसे मध्यम डिस्टिलेट की पैदावार को अधिकतम करने के लिए डिजाइन की गईं, अनुकूलित की गई हैं। यह क्षेत्र भारतीय इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा और बासमती चावल के लिए एक बड़ा बाजार है। बढ़ते संघर्ष ने पहले ही उन समुद्री मार्गों को बाधित कर दिया है, जिनसे इस व्यापार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गुजरता है। माल ढुलाई और बीमा लागत आसमान छू गई है, जिससे कई शिपमैंट अलाभकारी हो गए हैं और देरी के कारण खराब होने वाले सामान बर्बाद हो रहे हैं तथा अनुबंध की समय-सीमा का उल्लंघन हो रहा है। लैटर ऑफ क्रैडिट पर बातचीत करना कठिन होता जा रहा है। इसके साथ ही, खाड़ी सहयोग परिषद (जी.सी.सी.) देशों में केंद्रित छह मिलियन मजबूत भारतीय प्रवासियों से मिलने वाली 60 बिलियन डॉलर की वार्षिक प्रेषण जीवनरेखा खतरे में पड़ गई है। खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष-प्रेरित मंदी, जो तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और निवेशकों

के पलायन से संचालित होगी, सीधे भारतीय प्रवासी पेशेवरों और ब्लू-कॉलर श्रमिकों के लिए नौकरियों के नुकसान और वेतन कटौती में बदल जाएगी। जी.सी.सी. का स्थिरता का मुखौटा उतर गया है, जिससे यह कठोर सुरक्षा वास्तविकता उजागर हो गई है कि उनका आध्र्थक विविधीकरण, जैसे कि मैगा-प्रोजैक्ट्स, नियोम जैसे भविष्य के शहर, पर्यटन गोल्डन वीजा, एक ऐसी नींव पर बने हैं जिसे अब वैश्विक संस्थागत पूंजी द्वारा नंगी तलवार के रूप में देखा जा सकता है। अमरीकी ठिकानों के पास ईरानी जवाबी हमलों ने पुष्टि की है कि जी.सी.सी. का सुरक्षा छत्र छिद्रपूर्ण है। फिर भी, खाड़ी अरब देशों को निष्क्रिय पीड़ितों के रूप में चित्रित करना कपटपूर्ण होगा। तेल अवीव के अलावा, जी.सी.सी. देश भी ईरान की परमाणु प्रगति और उसके प्रॉक्सी नैटवर्क से गहरे चिंतित थे। उनके आकलन में, ईरान के कार्यक्रम को एक निर्णायक, भले ही अस्थिर करने वाला झटका, परमाणु छाया के तहत अपनी सुरक्षा के धीरे-धीरे क्षरण से बेहतर था। जिस भी हद तक और जिस भी उद्देश्य के लिए उन्होंने सैन्य ठिकानों को आवास देकर और ओवरफ्लाइट अधिकार प्रदान करके अमरीका और उसके ईरान विरोधी अभियान को सुगम बनाया, वे उस संकट के सह-वास्तुकार हैं, जो अब उनकी अर्थव्यवस्थाओं को निगलने की धमकी दे रहा है। एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण से, ये हमले एक ऐसी शक्ति के कार्य हैं जो रोकने या समाधान करने की बजाय बाधित करना चाहती है। अराजकता बोकर और ईरानी प्रतिशोध की सीमा को बढ़ाकर, वाशिंगटन यह गणना कर सकता है कि यह उसके प्राथमिक प्रतिस्पध्र्धयों-चीन और कुछ हद तक रूस-के लिए रणनीतिक माहौल को जटिल बनाता है, जिन्होंने तेहरान के साथ अपने आर्थिक और सुरक्षा संबंधों को गहरा किया है। यह उन एशियाई और यूरोपीय शक्तियों के लिए बिल्लियों के बीच कबूतर छोडने (खलबली मचाने) की रणनीति है, जो फारस की खाड़ी के ऊर्जा प्रवाह और व्यापार मार्गों की स्थिरता पर निर्भर हैं। भारत के लिए राजनयिक संतुलन बनाना अब अत्यंत कठिन है। भारत बलपूर्वक शासन परिवर्तन के सिद्धांत और जबरन शांति के त्रुटिपूर्ण आधार को स्वीकार नहीं कर सकता। रणनीतिक रूप से, इस संघर्ष ने भारत की 2 सबसे महत्वपूर्ण कनैक्टिविटी पहलों को करारा झटका दिया है। चाबहार बंदरगाह परियोजना अब मृत-प्राय दिखाई देती है, जो एक रणनीतिक अवसर प्रतिस्पर्धियों के हाथों में चला गया है। इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आध्र्थक गलियारा तार-तार हो गया है। भारत के लिए आगे की राह खतरों से भरी है।

IND W vs AUS W: डे-नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम, भारतीय महिला टीम को हराया; हीली की शानदार विदाई

पर्थ : भारतीय महिला टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। शुरूआत से ही ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में पकड़ मजबूत कर ली थी और भारतीय टीम अंत तक वापसी नहीं कर सकी। ऑस्ट्रेलिया ने महिलाओं के एकमात्र दिन-रात्रि क्रिकेट टेस्ट में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए रविवार को तीसरे दिन भारत के खिलाफ 10 विकेट की आसान जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दूसरी पारी में 149 रन पर समेटने के बाद 25 रन के मामूली लक्ष्य को बिना किसी परेशानी के हासिल कर लिया। यह कप्तान एलिसा हीली के लिए शानदार विदाई रही जिन्होंने अपने करियर का अंत एक ऐसे विरोधी पर शानदार जीत के साथ किया जिसके खिलाफ उन्होंने हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया। 149 रन पर सिमटी भारत की दूसरी पारी भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 105 रन से आगे खेलते हुए 48.2 ओवर में 149 रन पर सिमट गई जिसमें प्रतिका रावल ने 137 गेंद में 63 रन की पारी खेली। एशले गार्डनर (आठ रन पर दो विकेट) ने स्नेहा राणा (30) और प्रतिका को आउट किया। गार्डनर ने स्नेह को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा। प्रतिका भी इसके बाद ऑफ स्पिनर गार्डनर की गेंद को पुल करने की कोशिश में हवा में लहरा गईं और मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी एनाबेल सदरलैंड ने उनका शानदार कैच लपका जिससे भारतीय पारी का अंत हुआ।

मधुबाला बायोपिक में कियारा आडवाणी की एंट्री की खबरें गलत,

इंडस्ट्री सूत्रों ने किया खंडन

लीजेंडरी स्क्रीन आइकन मधुबाला की बायोपिक को लेकर इंटरनेट पर काफी खबरें उड़ रही थीं। ऐसी रिपोर्ट्स आ रही थीं कि कियारा आडवाणी इस फिल्म में लीड रोल निभाएंगी और संजय लीला भंसाली इसके प्रोड्यूसर होंगे। हालांकि, अब इंडस्ट्री के सूत्रों ने इन दावों को पूरी तरह गलत बताते हुए खारिज कर दिया है। इंडस्ट्री के एक सूत्र ने साफ कर दिया है कि कियारा आडवाणी और संजय लीला भंसाली के मधुबाला बायोपिक से जुड़ने की खबरें पूरी तरह गलत हैं। सूत्र का कहना है, इन खबरों में रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है कि कियारा आडवाणी को भंसाली की मधुबाला बायोपिक में कास्ट किया गया है। ये दावे पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। मधुबाला के लेजेंडरी स्टेटस और उनकी विरासत को देखते

हुए, इन अफवाहों ने लोगों के बीच काफी उत्सुकता पैदा कर दी थी। हालांकि, सूत्र ने फिर से इस बात पर जोर दिया है कि कियारा आडवाणी का इस प्रोजेक्ट से जुड़ना महज एक अटकलबाजी है और फिलहाल ऐसी कोई भी प्लानिंग नहीं चल रही है।

प्रभास स्टारर फिल्म फौजी के मेकर्स ने अनुपम खेर को दी जन्मदिन की बधाई

प्रभास की मच-अवेटेड फिल्म फौजी के मेकर्स ने दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर को उनके जन्मदिन पर ढेर सारी शुभकामनाएं दी हैं, जो इस फिल्म की स्टार कास्ट का हिस्सा हैं। टीम ने एक दिल छू लेने वाला मैसेज शेयर करते हुए इस लेजेंडरी एक्टर और भारतीय सिनेमा में उनके योगदान की तारीफ की है। घ्सोशल मीडिया पर फौजी के मेकर्स, माइथ्री मूवी मेकर्स ने पोस्ट किया, शानदार / अनुपम खेर जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। रुथ्न्रप बटालियन का हिस्सा बनने के लिए आपका होना हमारे लिए सम्मान की बात है। हम आपके सुखी और स्वस्थ साल की कामना करते हैं। अपनी बेमिसाल वर्सेटिलिटी और सिनेमा में दशकों लंबे योगदान के लिए मशहूर, अनुपम खेर आज भी इंडस्ट्री के सबसे सम्मानित एक्टर्स में से एक बने हुए हैं। फौजी में उनकी मौजूदगी फिल्म की पहले से ही दमदार कास्ट में और गहराई जोड़ती है। बाहुबली के बाद फौजी के जरिए प्रभास एक बड़े पीरियड ड्रामा एपिक में वापसी कर रहे हैं, जो एक इमोशनल और विजुअली शानदार सिनेमाई अनुभव का वादा करती है। माइथ्री मूवी मेकर्स की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म मानी जा रही इस फिल्म में एक असाधारण टीम साथ आई है प्रभास माइथ्री (पुष्पा के मेकर्स) ॐ हनु (सीता रामम के डायरेक्टर)। इस कोलैबोरेशन को भारतीय सिनेमा में पीढ़ियों का मिलन कहा जा रहा है। घ्उम्मीद है कि यह फिल्म इसी साल कई भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

धुरंधर द रिवेंज के ट्रेलर में छाए रणवीर सिंह, फैंस बोले-इस जनरेशन के बेस्ट एक्टर...

रणवीर सिंह एक बार फिर अपनी दमदार एक्टिंग से सुर्खियों में हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म धुरंधर द रिवेंज का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर तहलका मच गया है। ट्रेलर में रणवीर का पावरफुल अंदाज, इंटेंस एक्सप्रेशन और जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस देखकर फैंस बेहद एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। इस फिल्म के पहले पार्ट धुरंधर में रणवीर ने हमजा का किरदार निभाया था, जिसने थिएटर्स में जबरदस्त धमाल मचाया था। उनकी दमदार परफॉर्मेंस और किरदार की गहराई ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया था और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी। ट्रेलर में रणवीर सिंह एक बार फिर अपने खतरनाक और इंटेंस अवतार में नजर आ रहे हैं। इस बार वह हमजा के साथ-साथ कैप्टन जसकीरत सिंह रांगी के किरदार में भी बेहद दमदार दिखाई दे रहे हैं। उनका नया लुक, तीखी निगाहें और एक्शन से भरपूर अंदाज ट्रेलर के हर फ्रेम को और भी प्रभावशाली बना देता है। ट्रेलर देखकर साफ लग रहा है कि इस बार कहानी पहले से कहीं ज्यादा बड़ी, गहरी और बदले की आग से भरी हुई होने वाली है। ट्रेलर देखकर फैंस बोले द्द श्रणवीर की एक और मास्टरक्लास ट्रेलर सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस के रिएक्शन्स की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने रणवीर की तारीफ करते हुए लिखा, रणवीर सिंह की तरफ से एक्टिंग की एक और मास्टरक्लास। वहीं एक अन्य फैन ने लिखा कि 19 तारीख के बाद रणवीर सिंह को बॉलीवुड का असली किंग माना जाएगा। कई यूजर्स ने रणवीर की एक्सप्रेसिव एक्टिंग की भी जमकर तारीफ की। एक फैन ने लिखा कि उनकी आंखें ही पूरे किरदार के जज्बात बयां कर देती हैं और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। ट्रेलर का एक खास इमोशनल सीन भी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। इस सीन में कैप्टन जसकीरत सिंह रांगी का टूटा हुआ और कमजोर पल दिखाया गया है, जिसे देखकर फैंस काफी भावुक हो गए। एक यूजर ने इस सीन पर रिएक्ट करते हुए लिखा कि रणवीर की आंखों में दिखता दर्द और बिखरी हुई जिंदगी इस बदले की कहानी की असली शुरूआत का एहसास कराती है। रणवीर सिंह के फैंस उनके टैलेंट की तारीफ करते नहीं थक रहे। कई यूजर्स ने उन्हें इस जनरेशन का बेस्ट एक्टर तक बता दिया। एक फैन ने लिखा, रणवीर सिंह इस जनरेशन के बेस्ट एक्टर हैं। सच कहूं तो कोई भी उनके आस-पास तक नहीं आता। वहीं एक अन्य यूजर ने कहा कि सिर्फ दो फ्रेम ही यह साबित करने के लिए काफी हैं कि रणवीर सिंह कितने शानदार अभिनेता हैं। फिल्म के ट्रेलर से साफ है कि इस बार कहानी और एक्शन दोनों ही बड़े स्तर पर देखने को मिलेंगे। ाकिपजलं वींत के निर्देशन में बनी यह फिल्म बदले और इमोशन से भरपूर एक दमदार स्पाई-थ्रिलर बताई जा रही है। धुरंधर द रिवेंज 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है और ट्रेलर के बाद से ही दर्शकों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं।

एल्विश ने जिया शंकर को रोमांटिक अंदाज में किया प्रपोज? एक्ट्रेस से मिला ये जवाब

एल्विश यादव और जिया शंकर का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। क्या एल्विश ने जिया को शादी के लिए प्रपोज किया है? यहां जानिए क्या है वायरल वीडियो की सच्चाई एल्विश यादव और जिया शंकर की सगाई और शादी की खबरें पिछले काफी वक्त से चर्चा में बनी हुई है। लेकिन अब एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ये दावा किया जा रहा है कि एल्विश ने जिया को प्रपोज किया है। एल्विश के प्रपोजल को जिया ने एक्सेप्ट भी कर लिया है। लेकिन क्या यह सच है? क्योंकि जिया

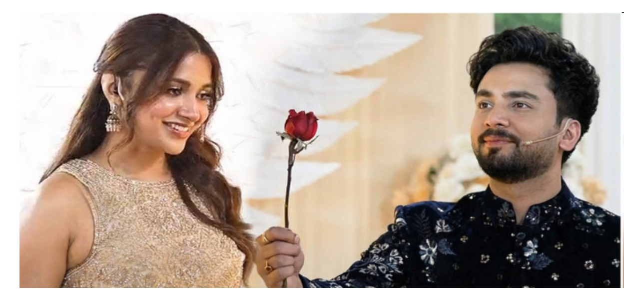

ने पहले बताया था कि उनका एक बॉयफ्रेंड है। तो अब क्या चल रहा है? एंगेज्ड सीजन 2 के नए एपिसोड का है वीडियो दरअसल, रियलिटी शो एंगेज्ड सीजन 2 के हालिया एपिसोड में एल्विश ने एक घुटने पर बैठकर, हाथ में लाल गुलाब लेकर जिया को प्रपोज किया। एल्विश ने जिया से पूछा, ह्यक्या तुम मुझसे शादी करोगी?ह्न इस पर जिया ने जवाब दिया, ह्यमैं तुमसे प्यार करती हूं और तुमसे शादी करूंगी। दोनों का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसके बाद कई फैंस दोनों को बधाई भी दे रहे हैं। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि यह प्रस्ताव शो के लिए रचा गया था। कहानी में आगे क्या होता है, यह जानने के लिए दर्शकों को आगामी एपिसोड का इंतजार करना होगा। जिया ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में की थी बात इससे पहले फ्री प्रेस जर्नल के साथ बातचीत में जिया शंकर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में बात की थी। हालांकि, उन्होंने उसका नाम नहीं बताया था। एल्विश के साथ अपनी सगाई की प्रमोशनल पोस्ट से मचे बवाल पर टिप्पणी करते हुए जिया ने कहा था कि उनके परिवार और उनके बॉयफ्रेंड के परिवार दोनों को इस दृश्य की जानकारी थी। इसलिए किसी को आश्चर्य नहीं हुआ।

पिंक' से लेकर 'थप्पड़' तक, महिलाओं से जुड़े जरूरी मुद्दों पर बनी हैं ये फिल्में

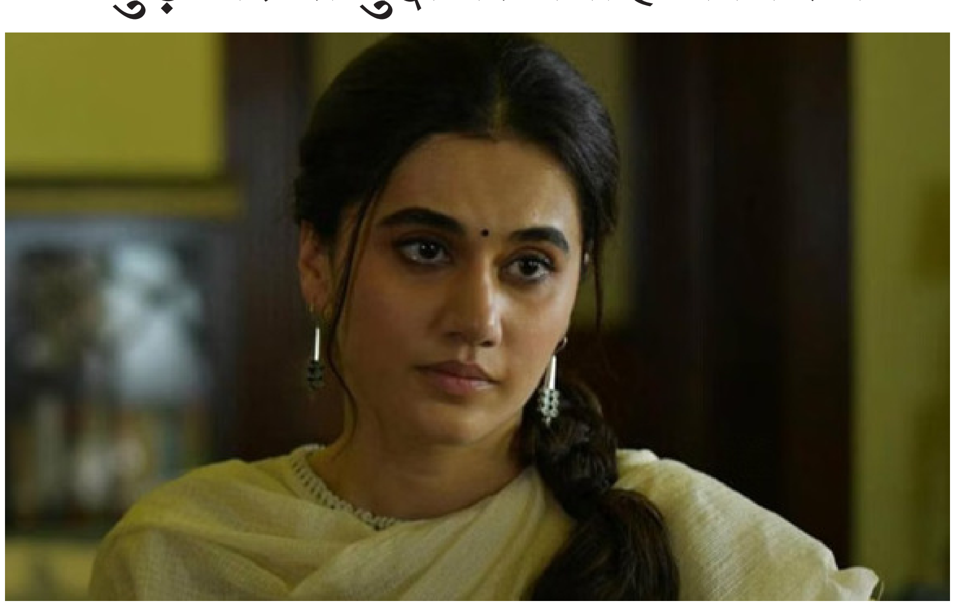

बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनी हैं जो महिलाओं के जरूरी मुद्दों को उठाती हैं। यह फिल्में अच्छी प्रेरणा भी देती हैं। आज 8 मार्च को पूरी दुनिया में 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026' मनाया जा रहा है। इस दिन महिलाओं की स्थिति बेहतर करने पर ध्यान दिया जाता है। बॉलीवुड ने भी महिलाओं को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाई है। बॉलीवुड ने कई फिल्मों के जरिए महिलाओं के उन मुद्दों को उठाया है, जिन पर कम ही बात होती है। आइए जानते हैं वह कौन सी फिल्में हैं, जिनके जरिए महिलाओं के मुद्दों को उठाया गया है। थप्पड़ (2020) इस फिल्म में तापसी पन्नू ने अहम किरदार निभाया है। इसमें दिखाया गया है कि एक महिला कैसे अपने ही घर में घरेलू हिंसा का शिकार होती है। महिला अपनी मर्जी से घर में रहने और उसे संभालने को चुनती है। हालांकि उसके पति को लगता है कि यह मजबूर है। ऐसे में एक थप्पड़ महिला को अपनी स्थिति को सोचने पर मजबूर करता है। लिपस्टिक अंडर माय बुर्का (2017) इस फिल्म में 4 महिलाओं की कहानी दिखाई गई है। चारों की कहानी अलग-अलग है। हालांकि चारों में महिला ही पीड़ित है। एक महिला को उम्र की वजह अपनी यौन इच्छाओं से समझौता करना पड़ता है। दूसरी महिला को अपनी मर्जी से काम नहीं करने दिया जाता है। तीसरी महिला को आजादी से नहीं रहने दिया जाता है। चौथी महिला की शादी उसकी मर्जी के खिलाफ कराई जाती है। मॉम (2017) फिल्म में यौन हिंसा, कानूनी प्रणाली की विफलता और बेटी को इंसाफ दिलाने के लिए एक मां का संघर्ष, जैसे मुद्दों को उठाया गया है। इस फिल्म में श्रीदेवी, सजल अली, अक्षय खन्ना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अहम किरदार निभाया है। सबसे ज्यादा तारीफ श्रीदेवी की हुई है। पिंक (2016) तापसी पन्नू की अदाकारी वाली फिल्म 'पिंक' में जरूरी मुद्दे को उठाया गया है। इसमें यह बताने की कोशिश की गई है कि महिला की 'ना' को ना ही समझा जाए। यह जरूरी नहीं कि अगर कोई पुरुष किसी महिला से यौन संबंध बनाना चाहता है, तो महिला भी ऐसा करना चाहती है। अगर कोई महिला ना कहती है, तो उसकी ना का सम्मान किया जाना चाहिए।

खुद को फैशन गर्ल नहीं मानती थीं प्रियंका, कैब में की थी नाभि की पियर्सिंग; स्टाइल से करती थीं एक्सपेरिमेंट

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में अपने टीनएज दिनों की एक मजेदार और हैरान करने वाली याद शेयर की। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा। हम 90२ में यही सब करते थे हाल ही में गोइंग रोग पॉडकास्ट में प्रियंका ने अपने शुरूआती दिनों को याद करते हुए कहा कि वह बचपन में खुद को ह्यफैशन गर्लह्न नहीं मानती थीं, लेकिन उन्हें अपनी स्टाइल के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद था। उन्होंने बताया कि 90 के दशक में स्कूल के दिनों में उनका लुक काफी ट्रेंडी हुआ करता था– फ्लेयर्ड जींस, क्रॉप टॉप और बेली बटन पियर्सिंग। उसी दौरान एक बार उनका पियर्सिंग बंद हो गया, तो उन्होंने उसे दोबारा खुद ही कर लिया। प्रियंका ने हंसते हुए कहा, ह्यमैंने एक बार कैब के पीछे बैठकर अपना बेली बटन फिर से पियर्स कर लिया

था। उस समय हम 90२ में यही सब करते थे। शुरूआत में सब कुछ नया अनुभव था उन्होंने यह भी बताया कि उस समय उन्हें फैशन की ज्यादा समझ नहीं थी, लेकिन उन्हें यह पता था कि किस तरह के कपड़े और स्टाइल उन पर अच्छे लगते हैं। प्रियंका ने अपने मिस इंडिया और मिस वर्ल्ड के दिनों को भी याद किया। उन्होंने कहा कि जब वह मिस इंडिया प्रतियोगिता में गईं तो उन्होंने पहले कभी मॉडलिंग नहीं की थी, इसलिए शुरूआत में सब कुछ उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव था।

समापन समारोह के कारण क्या मैच शुरू होने में होगी देरी ? जानें कब-कहां देखें मुकाबला

अहमदाबाद : भारत और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद में रविवार को टी20 विश्व कप का फाइनल मैच खेला जाएगा। इससे पहले समापन समारोह आयोजित होगा। आइए जानते हैं मुकाबला कितने बजे से होगा और दर्शक कहां ये मैच देख सकेंगे। बेहद प्रतिभाशाली और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम पर न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप के फाइनल में इतिहास रचने की उम्मीदों का बोझ होगा। भले ही सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम का पलड़ा भारी माना जा रहा है, लेकिन खिताबी मुकाबले का दबाव अलग स्तर का होता है और कीवियों ने सेमीफाइनल में जिस तरह का प्रदर्शन किया, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। जब अहमदाबाद में टूटे थे दिल दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियमों में से एक नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में भारत को 19 नवंबर 2023 को बड़ा झटका लगा था जब वह ऑस्ट्रेलिया से वनडे विश्व कप का फाइनल हार गया था। तब भारत ने भावुक नम आंखों वाले रोहित शर्मा को ड्रेसिंग रूम की सीढ़ियों पर चढ़ते हुए देखा था। केवल भारतीय टीम ही नहीं बल्कि स्टेडियम में मौजूद 93000 दर्शक भी सन्न रह गए थे। भारत ने हालांकि 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतकर इसकी काफी हद तक भरपाई कर दी थी। अब खेल के सबसे छोटे प्रारूप की भारतीय टीम सूर्यकुमार की कप्तानी में खिताब का बचाव करने और इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को तीन बार जीतने वाली पहली टीम बनने की कोशिश करेगी। मैच से पहले होगा समापन समारोह अहमदाबाद में फाइनल मुकाबले से ठीक पहले समापन समारोह का आयोजन होगा।

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी के आवास पर बम हमले की कोशिश

हिरासत में दो लोग; स्थिति तनावपूर्ण

न्यूयॉर्क (एजेंसी): अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी के आधिकारिक आवास ग्रेसी मेंशन के बाहर कथित बम हमले की कोशिश के मामले में पुलिस ने दो संदिग्धों की पहचान की है और उन्हें हिरासत में लिया है। यह जानकारी न्यूयॉर्क सिटी पुलिस विभाग ने दी है। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां मेयर जोहरान ममदानी के आधिकारिक आवास, ग्रेसी मेंशन के बाहर बम हमले का प्रयास किया गया। न्यूयॉर्क सिटी पुलिस विभाग (ठ ढऊ) ने इस मामले में दो संदिग्धों की पहचान की है और उन्हें हिरासत में लिया है। यह घटना रमजान के पवित्र महीने के दौरान हुई, जब दो विरोधी प्रदर्शनकारी समूहों के बीच हिंसक झड़प हुई। पुलिस ने बरामद किया जार जैसा उपकरण मीडिया रिपोर्ट के अनुसार घटना के दौरान एक वीडियो में एक संदिग्ध को एक उपकरण दूसरे को सौंपते हुए दिखाया गया है, जिसके तुरंत बाद गिरफ्तारी हुई। पुलिस द्वारा बरामद किए गए उपकरण में एक जार था, जो काले टेप से लिपटा हुआ था और उसमें नट, बोल्ट, स्क्रू और एक फ्यूज भरा हुआ था। यह उपकरण फुटबॉल से थोड़ा छोटा बताया जा रहा है। स्वतंत्र समाचार एजेंसी फ्रीडमन्यूज ने यह वीडियो साझा किया। यह कार्रवाई उस समय हुई जब मेयर के आधिकारिक आवास के बाहर दो विरोधी प्रदर्शनकारी समूहों के बीच झड़प हो गई थी। पुलिस ने इस दौरान कुल छह लोगों को हिरासत में लिया। बताया गया कि यह हिंसा उस समय भड़की जब दक्षिणपंथी प्रभावक जेक लैंग द्वारा आयोजित एक इस्लाम विरोधी प्रदर्शन का टकराव रमजान के दौरान आयोजित एक प्रदर्शन से हो गया। इस दौरान दो संदिग्ध उपकरणों को जलाकर फेंका गया। उपकरण की जांच में जुटी पुलिस पुलिस आयुक्त जेसिका एस. टिश ने बताया कि ये उपकरण आकार में फुटबॉल से थोड़े छोटे थे और फिलहाल उनकी जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे वास्तव में काम करने वाले विस्फोटक थे या सिर्फ डर फैलाने के लिए बनाए गए थे। पुलिस के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हवा में जाते समय उपकरण से आग और धुआं निकलता दिखाई दिया, जो एक बैरियर से टकराने के बाद पुलिस अधिकारियों से कुछ फीट दूर गिरकर बुझ गया। रिपोर्ट के अनुसार घटना की शुरूआत तब हुई जब इस्लाम विरोधी समूह के एक व्यक्ति ने काउंटर-प्रोटेस्ट करने वालों पर कथित तौर पर मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल किया। लगभग 20 मिनट बाद एक 18 वर्षीय प्रदर्शनकारी ने जलता हुआ उपकरण प्रदर्शन क्षेत्र की ओर फेंका, जो सड़क के क्रॉसवॉक पर गिरा। इसके बाद उसी व्यक्ति ने अपने 19 वर्षीय साथी से दूसरा उपकरण लिया और उसे भी जलाकर सड़क पर गिरा दिया, तभी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों को हिरासत में ले लिया।

'ट्रंप को कीमत चुकानी पड़ेगी', ईरान के शीर्ष अधिकारी लारीजानी की अमेरिका को खुली चेतावनी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान की ओर से अमेरिका को दी गई यह चेतावनी और दोनों देशों के बीच बढ़ता सैन्य तनाव, मध्य पूर्व में स्थिति को और खतरनाक बना रहा है। इस बीच ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी ने ट्रंप को कड़ा संदेश दिया है। ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि ईरान अपने नेता और अपने लोगों के मारे जाने का बदला लेगा। ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के बहुत करीबी रहे लारीजानी ने साफ कहा, ₹हम अपने नेता और अपने लोगों के खून का बदला जरूर लेंगे। ट्रंप को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।₹ ईरान-अमेरिका-इस्राइल के बीच बढ़ा तनाव यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब ईरान के साथ अमेरिका और इस्राइल एक बड़े सैन्य टकराव में उलझे हुए हैं। लारीजानी ने यह भी कहा कि ईरान अमेरिका और इस्राइल के ठिकानों पर हमले कर रहा है और उन्हें भारी नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने वेनेजुएला का उदाहरण देते हुए कहा कि अमेरिका को लगा था कि वह युद्ध जल्दी जीत लेगा, जैसा उसने वेनेजुएला में किया था, लेकिन इस बार वह नाकाम रहा। ईरान का दावा: अमेरिकी सैनिक पकड़े गए, अमेरिका का इनकार इससे पहले अली लारीजानी ने शनिवार को कुछ ऐसे दावे किए जिनसे सनसनी फैल गई। उन्होंने कहा कि ईरान ने कई अमेरिकी सैनिकों को पकड़ लिया है, जो जेलों में बंद हैं। हालांकि, अमेरिका ने इन दावों को तुरंत खारिज कर दिया। अमेरिका के एक सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि ईरान के ये दावे उसके झूठ का एक और उदाहरण हैं। लारीजानी ने ट्रंप पर यह भी आरोप लगाया कि वह ईरान के हमलों में मारे गए छह अमेरिकी सैनिकों की मौत के बारे में झूठी खबरें फैला रहे हैं। उनका कहना है कि असल में मरने वाले अमेरिकी सैनिकों की संख्या 500 से ज्यादा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिका धीरे-धीरे मरने वालों की संख्या बढ़ाता है और कभी दुर्घटनाएं तो कभी और बहाने बताता है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ अमेरिकी सैनिक बंदी बनाए गए हैं।

यूजीसी नियमों के खिलाफ सड़कों पर उतरा सवर्ण समाज

रामलीला मैदान, जंतर-मंतर से की ये मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार देश को विश्व के पटल पर सबसे बड़ी शक्ति के रूप में बनाने की बात करती है, लेकिन उसे बताना चाहिए कि अपने ही सबसे प्रतिभाशाली छात्रों को जेल में डालकर वह देश का नाम कैसे रोशन करेगी। लोगों ने सरकार से इन नियामों को तत्काल वापस लेने की मांग की। यूजीसी नियमों के खिलाफ रविवार को सवर्ण समाज दिल्ली की सड़कों पर उतरा। सवर्ण समुदाय के बड़े नेताओं की गिरफ्तारी और उन्हें हाउस अरेस्ट करने के बाद भी बड़ी संख्या में सामान्य वर्ग के युवा दिल्ली के रामलीला मैदान और जंतर-मंतर पहुंचे और यूजीसी नियमों के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त की। युवाओं ने कहा कि सरकार को ऐसा कानून बनाना चाहिए जो सभी समाज और सभी वर्ग के हितों की रक्षा करे। युवाओं ने कहा कि नियम-कानून की आड़ में लगातार सामान्य वर्ग का उत्पीड़न होता रहा है, लेकिन अब बच्चों को कॉलेज स्तर पर भी प्रताड़ित करने की तैयारी की जा रही है। यह हर हाल में रुकना चाहिए। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई कहासुनी जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों की भीड़ जुटने के बाद उनकी पुलिस जवानों से जमकर कहासुनी हुई। रामलीला मैदान में भी जोरदार प्रदर्शन करने के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बसों में भरकर दूर ले गई। सुरक्षा बलों का कहना था कि रविवार को यूजीसी के खिलाफ प्रदर्शन की अनुमति नहीं थी। लेकिन इसके बाद भी हजारों प्रदर्शनकारी रामलीला मैदान पहुंचे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। अयोध्या से सवर्ण आंदोलन में भागीदारी करने जंतर-मंतर पहुंची आरती तिवारी ने से कहा कि भाजपा और आरएसएस हमेशा हिंदू समाज की एकता की बात करते हैं, लेकिन यूजीसी नियमों ने हमारे बच्चों को ही अलग-अलग वर्गों में बांटने का रास्ता तैयार कर दिया है। बिहार के रणधीर सिंह ने कहा कि सरकार को केवल अमीर और गरीब दो वर्ग बनाने चाहिए। यदि छात्र गरीब है तो उसे बिना कोई भेदभाव किए सभी सुविधाएं देनी चाहिए। चुनावों के बहिष्कार की अपील प्रयागराज से आए छात्र अमित शुक्ला ने कहा कि वे भाजपा या सरकार के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन यदि सरकार ने यूजीसी नियमों को वापस नहीं लिया तो वे चुनावों का बहिष्कार करने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने कहा कि एक कानून बनाकर उन्हें अपने ही देश में दोयम दर्जे का नागरिक बनाने की कोशिश की जा रही है। इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। धर्मराज सिंह ने से कहा कि पूरे देश में एससी/एसटी एक्ट का दुरूपयोग करते हुए सवर्ण समाज के लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाकर पूरे-पूरे परिवार के साथ जेल में डाला जा रहा है। आज तक इस समस्या का कोई समाधान नहीं किया गया। लेकिन अब सवर्ण समुदाय के बच्चों को स्कूल कॉलेज में ही कानून के फंदे में फंसाकर जेल में डालने की साजिश रची जा रही है।

भारत से संबंधों पर बदले चीन के सुर, वांग यी बोले- टकराव से एशिया का नुकसान

बीजिंग (एजेंसी)। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि भारत और चीन को एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि साझेदार के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने दोनों देशों से सीमा शांति, सहयोग और इफ्क्ष्ळ्र में संयुक्त भूमिका बढ़ाने की अपील की। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने रविवार को कहा कि भारत और चीन को एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि साझेदार के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों को एक-दूसरे को खतरे की बजाय अवसर के रूप में समझने की जरूरत है। चीनी संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) के सत्र के दौरान आयोजित वार्षिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में वांग यी ने कहा कि दोनों देशों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा तय किए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार संबंधों को आगे बढ़ाना चाहिए। चीनी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि दोनों देशों को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आयोजन में एक-दूसरे का समर्थन करना चाहिए। इस वर्ष भारत इफ्क्ष्ळ्र की मेजबानी करेगा, जबकि 2027 में चीन इस सम्मेलन की मेजबानी करेगा। दोनों देशों के रिश्तों में नई शुरूआत वांग यी ने बताया कि पिछले साल तियानजिन में मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात सकारात्मक रही थी। उन्होंने कहा कि 2024 में रूस के कजान में हुई बैठक से दोनों देशों के रिश्तों में नई शुरूआत हुई, जिसके बाद तियानजिन में हुई बातचीत ने संबंधों को और बेहतर बनाने में मदद की। उन्होंने कहा कि हाल के समय में दोनों देशों के बीच राजनयिक संवाद, व्यापार और लोगों के बीच संपर्क में तेजी आई है। द्विपक्षीय व्यापार ने नया रिकॉर्ड बनाया है और इससे दोनों देशों के लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिला है। भविष्य की दिशा पर बोलते हुए वांग यी ने कहा कि भारत और चीन को पड़ोसी देशों के रूप में मित्रता बनाए रखनी चाहिए और सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही दोनों देशों को विकास और सहयोग पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

कोमिल्ला में मंदिर के पास विस्फोट, सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश; तीन घायल

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के कोमिला में कंकलिताला मंदिर के पास हुए सीरियल बम धमाके से दहशत का माहौल हो गया। इस विस्फोट में तीन लोग घायल हुए हैं, जिनमें मंदिर का पुजारी भी है। इस घटना के पीछे सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की आशंका जताई गई है। बांग्लादेश के कोमिल्ला शहर में कलागाछितला मंदिर और पास की सड़क के पास हुई सिलसिलेवार पेट्रोल बम धमाकों में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में मंदिर के पुजारी केशव चक्रवर्ती और स्थानीय निवासी अब्दुल बारेक शामिल हैं। तीसरे घायल व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो पाई है। घटना शनिवार शाम (07 मार्च) की है, जिसके चलते सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की आशंका जताई जा रही है। कोमिल्ला पुलिस अधीक्षक मो. अनीसुज्जमान ने बताया कि पुजारी और दो अन्य, जिनमें एक राहगीर भी शामिल है, विस्फोटों में घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस जिम्मेदार लोगों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए तलाशी अभियान चला रही है। तौहीदुल अनवर ने मीडिया को बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज प्राप्त कर लिया है और घटना की जांच कर रही है। उन्होंने कहा, 'इस समय, हम मकसद की पुष्टि नहीं कर सकते या विस्फोटों के पीछे के लोगों की पहचान नहीं कर सकते। हालांकि, अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं।' सीसीटीवी फुटेज के अनुसार शाम करीब 6:28 बजे एक नकाबपोश व्यक्ति एक बैग लेकर मंदिर परिसर में घुसता है। आसपास कई अन्य लोग भी खड़े दिखाई दे रहे थे।

ईरान के कई तेल डिपो पर अमेरिका और इस्राइल का बड़ा हमला, तेहरान में धुएं और आग से दहशत

तेहरान (एजेंसी)। इस्राइल ने तेहरान में कई ईंधन भंडारण केंद्रों पर हमले की पुष्टि की है। ईरानी मीडिया के अनुसार दक्षिण तेहरान के तेल डिपो को निशाना बनाया गया, जबकि पास की रिफाइनरी को नुकसान नहीं हुआ। हमलों के बाद शहर में आग और धुआं फैल गया। अलबोर्ज प्रांत के करज शहर में भी धमाके सुने गए। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच इस्राइल ने ईरान की राजधानी तेहरान में ईंधन भंडारण केंद्रों पर बड़े हमले की पुष्टि की है। इस्राइल की सेना ने कहा कि उसने तेहरान में कई फ्यूल स्टोरेज कॉम्प्लेक्स को निशाना बनाया। हमलों के बाद शहर के कई इलाकों में आग और घना धुआं फैल गया। ईरानी मीडिया के अनुसार दक्षिण तेहरान में स्थित एक तेल डिपो पर भी हमला हुआ। यह पहली बार बताया जा रहा है कि ईरान के तेल ढांचे को इस स्तर पर निशाना बनाया गया है। तेहरान में किन ठिकानों को निशाना बनाया गया? ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार दक्षिण तेहरान के एक बड़े तेल भंडारण केंद्र पर अमेरिका और इस्राइल के हमले हुए। समाचार एजेंसी आईआरएनए ने कहा कि इस हमले में तेल डिपो को निशाना बनाया गया। हालांकि एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया कि पास स्थित मुख्य रिफाइनरी की सुविधाओं को नुकसान नहीं पहुंचा है। इस्राइल की सेना ने भी बयान जारी कर कहा कि उसने तेहरान में कई ईंधन भंडारण परिसरों पर हमला किया है, जिनका इस्तेमाल ईरानी सैन्य ढांचे के संचालन के लिए किया जाता था। हमले के बाद शहर में क्या हालात बने? हमलों के बाद तेहरान और आसपास के इलाकों में भारी धुआं फैल गया। शहर में रहने वाली एक युवती ने बताया कि पूरे शहर में धुआं दिखाई दे रहा था और जलने की गंध महसूस हो रही थी। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में आसमान में आग की ऊंची लपटें दिखाई दीं। बताया गया कि कई जगहों पर रात के समय भी आसमान लाल दिखाई दे रहा था। हालांकि अब तक किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। करज और अलबोर्ज में लोगों ने क्या देखा? तेहरान के पास स्थित अलबोर्ज प्रांत के करज शहर में भी लोगों ने जोरदार धमाकों की आवाज सुनी। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि पहले आसमान में तेज लाल रोशनी दिखाई दी और उसके बाद पूरे इलाके में आग की लपटें फैल गईं। उन्होंने कहा कि उनकी मां काफी डर गई थीं और परिवार के लोग छत पर जाकर देखने लगे कि आखिर क्या हुआ है। एक अन्य युवक ने कहा कि धमाके के बाद ऐसा लगा जैसे रात अचानक दिन में बदल गई हो। तेल आपूर्ति और हालात को लेकर क्या कहा गया? ईरान की राष्ट्रीय तेल कंपनी ने कहा कि तेहरान और अलबोर्ज प्रांत में कुछ ईंधन डिपो पर हमले हुए हैं। हालांकि कंपनी का कहना है कि दोनों प्रांतों में ईंधन की आपूर्ति अन्य स्त्रोतों से जारी रखी जा रही है। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार राजधानी के पश्चिम में करज समेत तीन अलग-अलग इलाकों में भी फ्यूल डिपो को निशाना बनाया गया। राज्य टीवी ने बताया कि तेहरान के दक्षिण में स्थित एक रिफाइनरी में भी हमले के बाद आग लग गई। इन घटनाओं से पश्चिम एशिया में पहले से चल रहा तनाव और बढ़ गया है।

भारत-यूएस व्यापार समझौते पर 3-4 माह में लग सकती है मुहर, कोर्ट के झटके के बावजूद जारी रहेगी डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर दोनों देशों के बीच बातचीत आगे बढ़ रही है। भारत अब ट्रंप सरकार के जाने या किसी भविष्य की नरम सरकार का इंतजार नहीं करना चाहता। इसके पीछे ठोस कूटनीतिक तर्क यह है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक बार जो फैसले ले लिए जाते हैं, वे एक तरह से चिपक जाते हैं। भारत और अमेरिका व्यापार समझौता अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के बड़े कानूनी झटके के बावजूद पटरी पर बना हुआ है। भारत इस समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने के पक्ष में है। भारत की रणनीति साफ है कि अनिश्चितता की स्थिति में रहने से बेहतर है कि समझौते से एक ठोस रक्षा कवच तैयार कर लिया जाए, क्योंकि ट्रंप प्रशासन के पास टैरिफ थोपने के कई अन्य 'कानूनी हथियार' मौजूद हैं। भारत का मानना है कि ट्रंप सरकार के जाने या किसी भविष्य की 'नरम' सरकार का इंतजार करना आत्मघाती हो सकता है। मोदी सरकार के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, अमेरिकी अदालत के फैसले के बाद मार्च की नियत तारीख या महीना भले ही पीछे छूट गया हो, लेकिन बातचीत जारी है। अब अगले तीन से चार माह में नई कानूनी परिस्थितियों के हिसाब से शर्तों को फिर से तराशा जाएगा। सूत्रों का कहना है कि भारत अब ट्रंप सरकार के जाने या किसी भविष्य की नरम सरकार का इंतजार नहीं करना चाहता। इसके पीछे ठोस कूटनीतिक तर्क यह है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक बार जो फैसले ले लिए जाते हैं, वे एक तरह से चिपक जाते हैं। उन्हें बाद में हटाना लगभग असंभव होता है। सरकार का मानना है कि अगर अभी एक 'वर्किंग डील' नहीं हुई, तो बाद में शर्तें और भी कठिन हो सकती हैं।

बोर्ड परीक्षाएं खत्म होने की खुशी पड़ी जिंदगी पर भारी

ओडिशा में पांच स्कूली छात्रों की डूबने से मौत

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में दो अलग-अलग घटनाओं में पांच छात्र डूब गए। ये घटनाएं कोरापुट और मयूरभंज जिलों में घटीं। मरने वालों में तीन छात्र 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं खत्म होने की खुशी में तालाब में नहाने गए थे, लेकिन गहरे पानी में डूब गए। ओडिशा के कोरापुट और मयूरभंज जिलों में शनिवार को अलग-अलग घटनाओं में पांच स्कूली छात्रों की डूबने से मौत हो गई। इन दुखद घटनाओं ने राज्य को झकझोर कर रख दिया है, और घटनाओं पर बीजू जनता दल (बीजद) और विपक्षी कांग्रेस ने गहरा शोक व्यक्त किया है। कोरापुट में तीन छात्रों की दर्दनाक मौत कोरापुट जिले में, कोलंब तालाब में कक्षा 10 के तीन छात्रों की डूबने से मौत हो गई। ये छात्र अपने स्कूल से निकले थे और कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं खत्म होने के बाद अपने माता-पिता के आने का इंतजार कर रहे थे। परीक्षा पूरी होने की खुशी में वे पानी में खेलने चले गए, जहां वे डूब गए। स्थानीय लोगों ने छात्रों को बचाने की कोशिश की और उन्हें कोरापुट के शहीद लक्ष्मण नायक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, यह घटना दोपहर 3 बजे से 3:30 बजे के बीच हुई। मरने वाले छात्रों की पहचान लिंगराज खिल (16), स्वस्तिक (15) और ओम प्रकाश (16) के रूप में हुई है। मृतकों के परिवार वालों ने स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है और घटना की जांच की मांग की है। मयूरभंज में दो बालिकाओं की डूबने से मौत मयूरभंज जिले में एक अन्य घटना में, कप्तपाड़ा पुलिस स्टेशन क्षेत्र के नछीपुर गांव के पास एक तालाब में नहाते समय दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली दो बालिकाओं की डूबने से मौत हो गई।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।